खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 22 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-231

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री गोपाल जी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार, दि. 22.08.2025

जीवन की गति सूनी बिन आपके, प्रेम से लबालब था हृदय आपका
दिल में बड़ा दर्द होता है, जब याद आपकी आती है।
हम कर कुछ नहीं पाते हैं, बस आँखें भर-भर आती हैं।

---आज प्रथम पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता ---

पुष्पा अग्रवाल (धर्मपत्नी)

रमेश कुमार-रेखा, नंदलाल-रीटा (अनुज-बहु), अनूप-सीमा (भतीजा-भतीजा बहु)

मयूर-नीशा, पीयूष-श्वेता, मृदुल-संजना (पुत्र-पुत्र वधु)

मोहित-नेहा, लोकेश-स्वाति, प्रतियोध-नीकिता (भतीजा-भतीजा बहु), पुरु (भतीजा)

नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, प्रनव (पौत्र), सेजल, काव्या, दिया, ईरा, दित्वी, धीया (पौत्री)

नथमल सुरेश कुमार बसईवाले

महेंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद

फर्म : BASAI STEEL & POWER PVT. LTD.
RN METALS PVT. LTD.
DAILY SHUBH LABH

इमरान खान को इलाज के लिए रावलपिंडी सेंट्रल जेल से इस्लामाबाद के शिफा अस्पताल ले जाया गया

इस्लामाबाद

रावलपिंडी की आदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में अगस्त 2023 से बंद अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान को आखिरकार शिफा इंटरनेशनल हास्पिटल इस्लामाबाद ले जाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर समय सीमा खत्म होने से कुछ पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान कड़ी सुरक्षा के बीच अस्पताल पहुंचा दिया गया।

द न्यूज और जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अब विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम खान को भर्ती होने के बारे में फैसला करेगी। इमरान खान के शिफा पहुंचने से पहले पुलिस महानिरीक्षक सैयद अली नासिर रिजवी ने वहां का दौरा कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री को दो दिन के भीतर जेल से अस्पताल पहुंचाया जाए। इस फैसले से बौखलाई संघीय सरकार ने उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की।

शिफा अस्पताल के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। अस्पताल के पास सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों को भी हटाया गया है। पुलिस ने आदियाला जेल से इमरान खान को ले जाने से पहले पीटीआई चेयरमैन बैरिस्टर गोहर खान को औपचारिक सूचना दी।

73 वर्षीय इमरान खान को कई मामलों में दोषी ठहराया गया है। अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद अपदस्थ किए गए खान को कई गंभीर मामलों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि इमरान को अस्पताल से उनके बानी गाला आवास पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी इमारत को उप जेल घोषित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर चिकित्सक इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि उन्हें वापस जेल भेजना उनकी सेहत के लिए नुकसानदेह होगा, तो ऐसे फैसले पर विचार किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने फैसले में आदियाला जेल के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पीटीआई संस्थापक को जांच और इलाज के लिए दो दिनों के भीतर शिफा अस्पताल भेजें। अदालत ने इमरान की जांच और इलाज के लिए चिकित्सकों का विशेष दल (मेडिकल बोर्ड) गठित करने का भी आदेश दिया। साथ ही, यह भी निर्देश दिया गया कि जांच और इलाज के दौरान डा. उजमा और पूर्व प्रधानमंत्री के निजी चिकित्सक मौजूद रहें।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नियंत्रण वाले वायु सेवा निगम के कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति रद्द की

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने सरकारी नियंत्रण वाले नेपाल वायु सेवा निगम के कार्यकारी अध्यक्ष महेश्वरभक्त श्रेष्ठ की नियुक्ति रद्द कर दी है। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सुनील पोखरेल और बालकृष्ण ढकाल की संयुक्त पीठ ने श्रेष्ठ की नियुक्ति को रद्द करने का फैसला सुनाया। निगम के संचालक समिति के सदस्य उपेन्द्र बहादुर कार्की ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के सचिवालय समेत पांच लोगों को विपक्षी बनाते हुए 16 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर की थी। कार्की ने श्रेष्ठ की नियुक्ति रद्द करने के साथ ही स्वयं को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए परमादेश जारी करने की मांग भी की थी। सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता एवं सह-रजिस्ट्रार अर्जुन प्रसाद कोइराला ने बताया कि अदालत ने रिट को केवल आंशिक रूप से जारी किया है। उन्होंने कहा, आंशिक रिट जारी होने का मतलब है कि वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति रद्द कर दी गई है। याचिकाकर्ता ने खुद को नियुक्त करने के लिए परमादेश की भी मांग की थी।

माता-पिता के बीच तनाव भी है बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम की वजहः शोध

फ्लोरिडा। हाल ही किए गए अध्ययन ने बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम के पीछे एक अप्रत्याशित कारण का खुलासा किया है, वह है माता-पिता का व्यक्तिगत तनाव। सेंटर फार चिल्ड्रन एंड फैमिलीज द्वारा किए गए इस शोध में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों की देखभाल करने वाले 822 लोगों को शामिल किया गया ताकि यह समझा जा सके कि माता-पिता का भावनात्मक तनाव बच्चों के स्क्रीन के उपयोग से किस प्रकार जुड़ा हुआ है। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) के नए अध्ययन में पाया गया कि जिन माता-पिता में भावनात्मक तनाव का स्तर अधिक था, वे बच्चों के स्क्रीन टाइम पर लगातार नियम लागू करने में अपेक्षाकृत कम सक्षम थे। इसके साथ ही, जिन माता-पिता को बच्चे के व्यवहार से अधिक परेशानी या दबाव महसूस होता था, वे मुश्किल परिस्थितियों में बच्चे को शांत कराने या उसे व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा ज्यादा लेते थे। यह अध्ययन एक महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डालता है कि बच्चों के डिजिटल आदतों के पीछे केवल उनकी पसंद नहीं, बल्कि माता-पिता की मानसिक स्थिति और उनके सामना करने वाले तनाव का भी गहरा प्रभाव होता है।

सड़क मार्ग से पोखरा होते हुए मुक्तिनाथ की धार्मिक यात्रा पर निकले प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह

काठमांडू। नेपाल के मुस्तांग जिले में स्थित मुक्तिनाथ के दर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह शुक्रवार सुबह काठमांडू से अपनी सरकारी गाड़ी से पोखरा के लिए रवाना हुए। सत्ता संभालने के बाद काठमांडू से बाहर यह उनकी पहली निजी यात्रा है। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार, निजी यात्रा होने के कारण इस बारे में सुरक्षा एजेंसियों को औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले बालेन्द्र शाह काठमांडू से बाहर अपनी पार्टी के राष्ट्रीय महाधिवेशन में सहभागी होने गए थे। इस राजनीतिक यात्रा के बाद यह उनकी पहली निजी यात्रा है। उनके साथ पत्नी सविना काफ्ले और बेटी साथ में है। पोखरा पुलिस प्रवक्ता डीएसपी वीरेन्द्र कुमार पासवान ने बताया कि प्रधानमंत्री के पोखरा दौरे को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय या गृह मंत्रालय से कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। उनकी पार्टी को भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। पार्टी के जिलाध्यक्ष यदु अधिकारी ने शाह के भ्रमण को लेकर अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा, पुलिस ने मुझसे जानकारी मांगी थी, लेकिन पार्टी को कोई जानकारी नहीं दी गई है। प्रधानमंत्री के मुस्तांग जाने का कार्यक्रम तय होने की बात कही जा रही है, लेकिन मुस्तांग पुलिस को भी उनके दौरे के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। मुस्तांग के डीएसपी रामचन्द्र तिवारी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के दौरे के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है।

नेपाल को मिलने वाली विदेशी सहायता घटने पर वित्तमंत्री ने जताई चिंता

काठमांडू

नेपाल के वित्तमंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले ने देश में विदेशी सहायता लगातार घटने पर चिंता व्यक्त की है। संसदीय सार्वजनिक लेखा समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि हाल के समय में अनुदान और रियायती ऋण के स्रोत लगातार सीमित होते जा रहे हैं। विदेशी सहायता में कमी के बाद अब वैकल्पिक रूप से निजी पूंजी जुटाने की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा, 40 वर्षों तक 1 से 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर मिलने वाले और शुरुआती आठ वर्षों तक भुगतान न करने वाले अत्यधिक रियायती ऋण की खिड़की अब बंद हो रही है। मैं आज वित्त मंत्री की कुर्सी पर हूं और मुझे चिंता है कि यह खिड़की और दरवाजे अब बंद होते जा रहे हैं। वागले ने बताया कि नेपाल अपने पहले बजट से ही राजस्व से पूरा नहीं होने वाले खर्च को विदेशी सहायता और ऋण के माध्यम से पूरा करता आया है।

हालांकि, बजट का आकार बढ़ने के साथ कुल बजट में विदेशी अनुदान का हिस्सा तुलनात्मक रूप से घटता गया है। वाग्ले के अनुसार, चालू बजट में नेपाल ने करीब 2 खरब 12 अरब नेपाली रुपये विदेशी ऋण लेने का लक्ष्य रखा है, जबकि विदेशी अनुदान करीब 62 अरब रुपये रहने का अनुमान है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में बजट में 48 से 52 अरब रुपये तक विदेशी अनुदान प्राप्त होने का अनुमान लगाया जाता रहा है, लेकिन वास्तविक रूप से प्राप्त राशि लगभग 10 से 15 अरब रुपये तक ही सीमित रही है। उन्होंने कहा कि आईएनजीओ के माध्यम से आने वाली सहायता भी घट रही है और नेपाल के बजट तथा अर्थव्यवस्था के आकार की तुलना में उसका हिस्सा अब काफी छोटा हो चुका है।

वाग्ले ने कहा कि बड़े बुनियादी ढांचे और बड़े संस्थानों के पुनर्गठन में उपयोग किए जा सकने वाले रियायती संसाधन अब अधिक कठोर शर्तों के साथ उपलब्ध हो रहे हैं। ब्याज दर बढ़ रही है, ग्रेस पीरियड और ऋण की परिपक्वता अवधि घट रही है तथा सीमित संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। उन्होंने इसे नेपाल के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण चरण बताया।

वित्तमंत्री ने बताया कि नेपाल को भारत, चीन, ब्रिटेन, जापान और अमेरिका सहित विभिन्न देशों से द्विपक्षीय अनुदान प्राप्त होता रहा है। इसके अलावा, बहुपक्षीय विकास साझेदारों से मिलने वाला रियायती ऋण भी नेपाल के विकास के लिए महत्वपूर्ण स्रोत है। उन्होंने कहा कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक से मिलने वाले ऋण में लंबी अवधि, कम ब्याज दर और ग्रेस पीरियड जैसी सुविधाएं होती हैं। लेकिन अब ऐसे रियायती स्रोत धीरे-धीरे सीमित होते जा रहे हैं।

वाग्ले ने यह भी स्वीकार किया कि नेपाल अतीत में उपलब्ध रियायती संसाधनों का प्रभावी उपयोग नहीं कर सका। उनके अनुसार, सहायता उपलब्ध होने के बावजूद कमजोर खर्च क्षमता, खरीद प्रक्रिया और अन्य कारणों से पूंजीगत खर्च अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो सका। उन्होंने कहा, जो रकम आई, उसे भी हम खर्च नहीं कर सके। रकम उपलब्ध थी और देने के लिए तैयार थी, लेकिन हमारी क्षमता, खरीद प्रक्रिया और अन्य कारणों से हम पूंजीगत खर्च में अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहीं कर सके।

उन्होंने कहा कि नेपाल के लगभग सभी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे इन्हीं रियायती ऋणों से बने हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में बड़े बुनियादी ढांचे और जलविद्युत परियोजनाओं में निजी क्षेत्र की पूंजी भी आने लगी है।

ऐसे में पारंपरिक विदेशी सहायता के स्रोत सूखने के कारण नेपाल अब नई निजी पूंजी की ओर बढ़ रहा है। वाग्ले ने बताया कि विदेशी सहायता के स्रोत सीमित होने के बाद सरकार ने निजी और वैकल्पिक पूंजी जुटाने के लिए विभिन्न उपकरणों को आगे बढ़ाया है। इनमें हाइब्रिड एन्युटी माडल, आफशोर बान्ड, डायस्पोरा निवेश और वैकल्पिक विकास वित्त से संबंधित व्यवस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एशियाई विकास बैंक और अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजार से पूंजी जुटाकर नेपाली बैंकों के जरिए निजी क्षेत्र को ऋण उपलब्ध कराने का रास्ता भी खोला गया है। वाग्ले के अनुसार, गैर-आवासीय नेपाली के निवेश को आसान बनाने के लिए मौजूदा कानूनी और नियामकीय बाधाओं को हटाया गया है। इसके साथ ही वैकल्पिक विकास वित्त से संबंधित कानून भी संसद से पारित हो चुका है।

बलूचों ने मुनीर को दिया खुला अल्टीमेटम, 1971 की दिलाई याद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के भीतर आंतरिक हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। एक तरफ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में असंतोष की स्थिति है, तो दूसरी तरफ बलूचिस्तान में लंबे समय से चल रहा विद्रोह अब एक बड़े संघर्ष का रूप ले चुका है। बलूचिस्तान के नेताओं ने खुद को पाकिस्तान से अलग एक स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है और अपनी स्वतंत्रता की वर्षगांठ भी मनाई है। इस बीच, बलूच नेतृत्व ने पाकिस्तानी सेना को एक कड़ा अल्टीमेटम जारी करते हुए इस क्षेत्र को तुरंत छोड़ने की मांग की है, अन्यथा 1971 के युद्ध की तरह गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

बलूचिस्तान की ओर से जारी बयानों में यह स्पष्ट किया गया है कि इस क्षेत्र की जमीन पर पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी पूरी तरह से अवैध है। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों पर बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों पर कब्जा करने तथा स्थानीय नागरिकों के जीवन, संपत्ति और शांति के लिए लगातार खतरा पैदा करने का आरोप लगाया गया है। बलूच संगठनों ने पाकिस्तान की सेना, फ्रंटियर कार्प्स, पुलिस और अन्य सुरक्षा संस्थानों में कार्यरत गैर-बलूच नागरिकों से भी इस क्षेत्र को छोड़ने का आह्वान किया है।

इसके अलावा, पाकिस्तान की वायुसेना और नौसेना से जुड़े सैन्य उपकरणों और हथियारों को बलूच बलों को सौंपने की मांग की गई है, क्योंकि इन्हें बलूचिस्तान के संसाधनों से ही खरीदा गया था। बलूच नेतृत्व ने इतिहास का हवाला देते हुए पाकिस्तान को बांग्लादेश युद्ध की याद दिलाई है।

उनका कहना है कि 1971 में जिस प्रकार पाकिस्तानी सेना को अपमानजनक स्थिति में पीछे हटना पड़ा था, वही स्थिति एक बार फिर उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही, ब्रिटिश सेना की भारत से विदाई और अफगानिस्तान से अन्य वैश्विक ताकतों की वापसी का भी उदाहरण दिया गया है।

बलूच नागरिकों के खिलाफ हो रही हिंसा को रोकने की मांग करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की गई है कि वह बलूचिस्तान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे और पाकिस्तानी सैन्य बलों की वापसी सुनिश्चित करवाए।

ऐतिहासिक दावों के अनुसार, बलूचिस्तान ने 14 अगस्त के बजाय 11 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया। उनका तर्क है कि अतीत में इस क्षेत्र की स्वतंत्रता को स्वीकार किया गया था, लेकिन बाद में इसे बलपूर्वक मिला लिया गया।

भूमध्य सागर में 2000 साल पुराना रोमन जहाज खोजा

रोम। भूमध्य सागर में लगभग 2000 साल पुराना एक रोमन जहाज खोजा गया है। यह जहाज मछुआरों को इटली के सिसिली तट के पास मिला है। यह अभूतपूर्व खोज दूसरी या पहली सदी ईसा पूर्व की मानी जा रही है, जिसमें सैकड़ों मिट्टी के मर्तबान (एम्फोरा) भी बेहद सुरक्षित हालत में मिले हैं। इन मर्तबानों का उपयोग प्राचीन काल में शराब, जैतून तेल और अनाज के व्यापार के लिए किया जाता था, जो प्राचीन समुद्री व्यापार नेटवर्क और रोमन अर्थव्यवस्था पर नया प्रकाश डाल सकते हैं। इटली के संस्कृति मंत्री एलेसांद्रो जूली ने इस खोज को हाल के वर्षों की सबसे अहम अंडरवाटर खोजों में से एक बताया है, जिसकी असाधारण रूप से सुरक्षित स्थिति और उसमें मौजूद सामान इसके ऐतिहासिक महत्व को और बढ़ा देते हैं। इस महत्वपूर्ण खोज की शुरुआत एक मछुआरे जियाकोमो डी मोला के अवलोकन से हुई। जानकारी के अनुसार, जियाकोमो डी मोला समुद्र की तलहटी को स्कैन कर रहे थे, जब उन्हें एक बड़ा, ठोस ढांचा दिखाई दिया। शुरुआती तौर पर यह किसी चट्टान जैसा लगा, लेकिन जैसे ही वे करीब पहुंचे, उन्हें समझ आ गया कि यह कोई साधारण चीज नहीं है। उनके शब्दों में, वह पल ऐसा था जब दिल की धड़कन थम सी गई, क्योंकि करीब दो हजार साल बाद पहली बार किसी इंसान ने उस जगह को देखा था जहां यह जहाज सदियों से डूबा था।

इजराइल ने सीरिया के एयरबेस पर बरसाए बम, तुर्की की सैन्य मौजूदगी की आशंका के बीच बढ़ा तनाव

तेल अवीव

इजराइल और तुर्की के बीच तनाव अब सीरिया तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। इजराइली सेना ने सीरिया के अबू अल-दुहूर एयरबेस पर गत दिवस भारी हवाई हमला किया। इजराइल का कहना है कि एयरबेस पर तुर्की की संभावित सैन्य तैनाती की आशंका थी और अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उसने कार्रवाई की।

इस हमले के बाद तुर्की ने इजराइल की कड़ी निंदा की है। तुर्की में अमेरिकी राजदूत की ओर से भी इजराइली कार्रवाई पर आपत्ति जताए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस घटनाक्रम से जुड़े कई दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी स्पष्ट नहीं है। इजराइल और तुर्की के बीच तनाव की एक वजह तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान से जुड़ी एक तस्वीर को भी बताया जा रहा है। दावा है कि एक कार्यक्रम के दौरान उनके पीछे लगे नक्शे में इजराइल को अलग देश के रूप में नहीं दिखाया गया था और पूरे क्षेत्र को फिलिस्तीन के हिस्से के तौर पर प्रदर्शित किया गया था।

इजराइल समर्थक हलकों में इस तस्वीर को तुर्की के रुख का प्रतीक बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। हालांकि, केवल इस तस्वीर को इजराइली सैन्य कार्रवाई का सीधा कारण मानना फिलहाल एक दावा ही है।

सीरिया बना दोनों देशों के टकराव का नया मैदान

सीरिया में तुर्की की संभावित सैन्य मौजूदगी को लेकर इजराइल लंबे समय से चिंतित रहा है। इजराइल का मानना है कि सीरिया में तुर्की की सैन्य तैनाती उसकी सुरक्षा के लिए नई चुनौती पैदा कर सकती है। दूसरी ओर, तुर्की लगातार गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई की आलोचना करता रहा है। दोनों देशों के बीच बयानबाजी के साथ क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर भी प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। तुर्की की ओर से यह आरोप भी लगाया गया कि इजरायल में आगामी राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। इजराइल ने ऐसे आरोपों को स्वीकार नहीं किया है और अपनी कार्रवाई को सुरक्षा जरूरतों से जोड़कर देखा है।

रुस अब ड्रोन के झुंड, क्रूज मिसाइलों को एक साथ करेगा नष्ट, यूक्रेन को देगा झटके

रूसी सेना को मिले पैंटसिर-एस लड़ाकू वाहन और पैंटसिर-एसएमडी एयर डिफेंस सिस्टम

मास्को

रूस ने यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर अपनी हवाई सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए पैंटसिर एयर डिफेंस सिस्टम की नई खेप तैनात की है। रूस का दावा है कि ये सिस्टम ड्रोन के साथ-साथ बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल जैसे हवाई खतरों से निपटने का इंतजाम है। रूस की सरकारी रक्षा कंपनी ने रूसी सेना को पैंटसिर-एस लड़ाकू वाहन और पैंटसिर-एसएमडी एयर डिफेंस सिस्टम सौंपे हैं। कंपनी ने बताया है कि इन सिस्टम्स ने जरूरी टेस्ट पूरे कर लिए हैं और सेना से इसमें परमिशन मिलने के बाद इन्हें सेना को सौंपा दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पैंटसिर को मुख्य रूप से कम दूरी के हवाई खतरों से सुरक्षा के लिए बनाया गया है।

इसका इस्तेमाल ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे खतरों को रोकने के लिए किया जा सकता है। नए सिस्टम को अलग-अलग तरह के हवाई हमलों के हिसाब से कान्फिगर किया जा सकता है। सिस्टम में कुल 48 राउंड तक रखे जा सकते हैं यानी अगर एक साथ बड़ी संख्या में ड्रोन या दूसरे हवाई लक्ष्य हमला करते हैं, तो पैंटसिर को उनसे निपटने के लिए तैयार किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने जानकारी दी कि ये एयर डिफेंस सिस्टम 24 घंटे अलर्ट पर रहकर हवाई खतरों पर नजर रखते हैं। इनका मकसद सिर्फ सैनिकों की सुरक्षा करना नहीं, बल्कि अहम सैन्य और नागरिक ठिकानों को भी हवाई हमलों से बचाना है। एक एयर डिफेंस कमांडर ने बताया कि सैनिक कई सालों से पैंटसिर सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नई मशीनों को तय जगह पर पहुंचाने के बाद तेजी से सक्रिय किया गया। जल्द ही उन्हें युद्धक ड्यूटी पर लगा दिया गया है।

यूक्रेन युद्ध में ड्रोन का इस्तेमाल लगातार बढ़ा है। दोनों पक्ष निगरानी के साथ-साथ हमलों के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में एयर डिफेंस सिस्टम के सामने एक साथ कई छोटे ड्रोन को रोकना बड़ी चुनौती बन गया है। रूस का कहना है कि पैंटसिर-एसएमडी की तकनीकी क्षमताओं का परीक्षण अब यूक्रेन युद्ध के असली मोर्चे पर भी हो रहा है।

यानी जिस सिस्टम को बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमलों से निपटने के लिए तैयार किया है, उसकी असली क्षमता का पता युद्ध के मैदान में ही चलेगा। रूस के लिए यह सिस्टम इसलिए भी अहम है क्योंकि यूक्रेन लगातार ड्रोन और मिसाइलों के जरिए रूसी सैन्य ठिकानों और अन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने की कोशिश करता रहा है।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 22 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-231

अब आरक्षण हटाओ

जंतर-मंतर पर जुटे प्रदर्शनकारी, आरएएफ मैदान में

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इक्विटी नियम और जाति आधारित आरक्षण के खिलाफ जुटे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने शुक्रवार देर शाम हटाना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर प्रदर्शन स्थल से हटाया। प्रदर्शनकारी मौजूदा जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा करने और सरकारी योजनाओं में आर्थिक आधार को अधिक महत्व देने की मांग कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी अपनी मांगें सरकार के सामने रखना चाहते हैं।

पुलिस और केंद्रीय बलों ने संभाला मोर्चा

प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए दिल्ली पुलिस और केंद्रीय बलों ने मोर्चा संभाला। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शन स्थल से प्रदर्शनकारियों को हटाना शुरू किया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया। मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने के लिए एकत्र हुए थे। उनका कहना था कि वे आरक्षण व्यवस्था में सुधार और उसकी समीक्षा की मांग कर रहे हैं।

पुलिस कार्रवाई की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इनमें बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और त्वरित कार्रवाई बल के जवानों को जंतर-मंतर के धरना स्थल पर पहुंचते देखा गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर वहां से हटाना शुरू कर दिया।

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को स्पष्ट किया था कि 21 अगस्त को आरक्षण सुधार के मुद्दे पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोई अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस ने सामाजिक माध्यमों पर अनुमति मिलने का दावा करने वाले वीडियो को भी ङ्गझूठा और भ्रामकफ बताया था।

इसके बावजूद शुक्रवार को प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पहुंचने लगे। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के बाद पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी और बैरिकेड लगाए। दिल्ली पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बलों को भी मौके पर तैनात किया गया। हालांकि, बाद में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति दिए जाने की भी जानकारी सामने आई।

धारा 163 के तहत पहले से लागू है निषेधाज्ञा

दिल्ली पुलिस ने बताया था कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा पहले से लागू है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के जुलूस, प्रदर्शन और सभा पर रोक है।

पुलिस ने लोगों से अपील की थी कि प्रदर्शन की अनुमति से जुड़ी अपुष्ट जानकारी पर भरोसा न करें और उसे आगे न फैलाएं। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी थी कि फर्जी खबर बनाने या फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की मांग

कुछ प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू करने तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़ी नीतियों में बदलाव की मांग भी की। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि उनका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सरकारी मदद से वंचित करना नहीं है। उनका कहना था कि सरकारी सहायता उन लोगों तक पहुंचनी चाहिए जिन्हें वास्तव में इसकी जरूरत है। इसके लिए छात्रवृत्ति, शुल्क में सहायता और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग जैसी सुविधाएं आर्थिक जरूरत के आधार पर उपलब्ध कराने की मांग की गई।

जंतर-मंतर पर हुई इस कार्रवाई के बाद आरक्षण व्यवस्था, आर्थिक आधार और संबंधित नीतियों को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

...तो घर कौन संभाले?

भारती की सड़क हादसे में मौत से परिवार अनाथ

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 21 अगस्त।

फाइल : भारती मुखी (26 वर्ष)

माधापुर के इन्कॉर्बिट मॉल के सामने 16 अगस्त को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने ओडिशा के मयूरभंज जिले के एक परिवार की जिंदगी बदल दी। 26 वर्षीय भारती मुखी अपने परिवार के लिए सिर्फ बेटी नहीं, बल्कि घर की आर्थिक रीढ़ थीं। हैदराबाद में नौकरी कर वह हर महीने अपनी कमाई का हिस्सा घर भेजती थीं। परिवार के अनुसार, करीब 18 हजार रुपये की मासिक आय से घर का खर्च, जरूरी सामान और भाइयों की पढ़ाई तक चल रही थी। आज उसी परिवार के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि भारती के जाने के बाद घर कैसे चलेगा।

भारती मयूरभंज-ओडिशा की रहने वाली थीं और हैदराबाद में इन्कॉर्बिट मॉल स्थित लाइफस्टाइल स्टोर में सेल्स एग्जीक्यूटिव के रूप में काम कर रही थीं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार वह करीब चार से पांच वर्षों से हैदराबाद में रहकर काम कर रही थीं और लगातार अपने परिवार की आर्थिक मदद कर रही थीं। उनकी मां आनंदिनी मुखी के मुताबिक, परिवार ने कठिन परिस्थितियों में भारती की पढ़ाई कराई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई। डिप्लोमा के बाद बीटेक की पढ़ाई जारी रखने की कोशिश भी हुई, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें नौकरी की ओर मोड़ दिया। इसके बाद वह हैदराबाद चली आईं।

मां ने बेटी को पढ़ाया, बेटी ने परिवार संभाला

भारती की मां आनंदिनी मुखी ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी को कठिन परिस्थितियों में पढ़ाया और उसके भविष्य के लिए संघर्ष किया। कोविड लॉकडाउन के कारण पढ़ाई का सिलसिला टूटने के बाद भारती ने परिवार की स्थिति को समझते हुए नौकरी करने का फैसला किया। वह हैदराबाद में काम करने लगीं और समय-समय पर घर आती-जाती थीं। मां के अनुसार, भारती की कमाई से पूरा परिवार जुड़ा हुआ था।

18 हजार रुपये की कमाई, 5 लोगों का सहारा

भारती के परिवार में माता-पिता और दो भाई हैं। परिवार के मुताबिक, भारती की कमाई ही घर के लिए बड़ा आर्थिक सहारा थी। वह हर महीने पैसे घर भेजती थीं। उन्हीं पैसों से घरेलू जरूरतें पूरी होती थीं और भाइयों की शिक्षा में भी मदद मिलती थी। उपलब्ध रिपोर्टों में परिवार ने भारती को पांच सदस्यीय परिवार की मुख्य कमाने वाली सदस्य बताया है।

भोजन लेने गई थी, लौटते समय हादसा

पुलिस के अनुसार 16 अगस्त को करीब दोपहर 3 बजे भारती अपनी सहकर्मी पूजा अशोक के साथ इन्कॉर्बिट मॉल ▶10पर

झारखंडी फैसले पर स्टे

हजारों कर्मियों को मिली फौरी राहत

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड की राजनीति और प्रतियोगी छात्रों के भविष्य से जुड़े मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। हेमंत सोरेन सरकार ने 18 अगस्त को अधिसूचना जारी कर धांधली के आरोपों के बाद झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 11वीं से 13वीं झारखंड लोक सेवा आयोग संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा, बाल विकास परियोजना अधिकारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी समेत कुल 22 भर्ती प्रक्रियाओं और परीक्षाओं को रद्द कर दिया था। हालांकि, झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार के इस फैसले पर कड़ा रुख अपनाते हुए भर्ती एवं परीक्षाएं रद्द करने संबंधी अधिसूचनाओं पर अंतरिम रोक लगा दी है।

2300 से 2600 कर्मचारियों को मिली सीधी राहत

मीडिया रिपोर्टों और याचिकाकर्ताओं के वकीलों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, 22 रद्द की गई परीक्षाओं में से चार प्रमुख भर्ती परीक्षाएं ऐसी थीं, जिनमें अभ्यर्थी चयनित होकर संबंधित पदों पर तैनात हो चुके थे। हाईकोर्ट के इस फैसले से सीधे तौर पर सेवा में बने रहने वाले कर्मचारियों का ब्योरा इस प्रकार है-

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा: 1,932 चयनित अभ्यर्थी, जिनकी नौकरियां रद्द हो गई थीं।

11वीं से 13वीं झारखंड लोक सेवा आयोग संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा: 342 नवनियुक्त अधिकारी, जिनमें डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक्षक आदि शामिल हैं।

बाल विकास परियोजना अधिकारी: 64 अधिकारी। **खाद्य सुरक्षा अधिकारी:** 54 पद।

कुल मिलाकर 2,392 से अधिक नियुक्त एवं सेवा में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों की नौकरियां बर्खास्त होने से बच गई हैं। वहीं, प्रक्रिया में शामिल अन्य पदों को मिलाकर यह आंकड़ा 2,600 के पार पहुंचने की बात कही जा रही है।

हाईकोर्ट के अंतरिम रोक आदेश से जहां सेवा में आ चुके अभ्यर्थियों के चेहरों पर खुशी लौट आई है, वहीं दूसरी ओर धांधली के आरोपों के आधार पर परीक्षा रद्द कराने की मांग पर अड़े छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। ▶10पर

रेवंत का अमेरिकी दौरा नामंजूर

हैदराबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के प्रस्तावित अमेरिका दौरे को केंद्र सरकार से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अब अमेरिका का दौरा नहीं कर सकेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, विदेश मंत्रालय ने राजनीतिक आधार पर अमेरिका दौरे के लिए आवश्यक मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी फिलहाल लंदन में हैं। उन्हें वहां से अमेरिका के बोस्टन जाना था और 30 अगस्त को हैदराबाद लौटना था, लेकिन अमेरिका दौरे की मंजूरी नहीं मिलने के कारण अब वह 23 अगस्त को सीधे हैदराबाद लौटेंगे।

अमेरिका जाए बिना समझौते पूरे करने के निर्देश

हालांकि, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अमेरिका का दौरा किए बिना भी वहां के विभिन्न संस्थानों के साथ प्रस्तावित सभी समझौता ज्ञापन और साझेदारी समझौते पूरे किए जाएं। सरकार का प्रयास है कि प्रस्तावित निवेश, शैक्षणिक एवं संस्थागत सहयोग से जुड़े कार्यक्रमों और समझौतों को निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ाया जाए। रेवंत रेड्डी 20 अगस्त को लंदन पहुंचे थे। उनके ब्रिटेन दौरे के दौरान ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, लंदन विश्वविद्यालय और लंदन बिजनेस स्कूल के कार्यक्रम शामिल थे। उन्हें एमिरेट्स स्टेडियम में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल से जुड़े एक कार्यक्रम में भी शामिल होना था।

इसके बाद मुख्यमंत्री का 24 अगस्त को अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय और मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान जाने का कार्यक्रम था। 25 अगस्त को बोस्टन में वर्जीनिया टेक की टीम के साथ बातचीत तथा 26 अगस्त को न्यूयॉर्क में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अमेरिकी प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में शामिल होना था।

केवल ब्रिटेन दौरे को मिली थी मंजूरी

राज्य सरकार ने नियमों के तहत ब्रिटेन और अमेरिका दौरे के लिए केंद्र सरकार से आवश्यक मंजूरी मांगी थी, लेकिन केवल ब्रिटेन दौरे को मंजूरी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल के ब्रिटेन पहुंचने के बाद केंद्र सरकार ने अमेरिका दौरे की मंजूरी नहीं दिए जाने की जानकारी दी।

राहुल आगे झुकी दिल्ली

पेलेट गन मामले में एफआईआर

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस थाने पर नागरिक न्याय परिषद के ङ्गचलो संसदफ मार्च के दौरान पेलेट गन के इस्तेमाल के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। करीब आठ घंटे तक चले धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने साहिल लोचब की शिकायत और आरोपों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। इसके बाद राहुल गांधी धरने से उठ गए।

दिल्ली पुलिस ने पेलेट गन मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। धारा 118 खतरनाक हथियार या साधन से जानबूझकर चोट या गंभीर चोट पहुंचाने से संबंधित है, जबकि धारा 125 ऐसे कृत्य से जुड़ी है, जिससे किसी अन्य व्यक्ति के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो। राहुल गांधी ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने को न्याय की दिशा में पहला कदम बताया।

राहुल बोलेएक महीने बाद भी शरीर में फंसे हैं पेलेट

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पेलेट गन मामले में प्राथमिकी दर्ज होना न्याय की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि युवक को गोली लगे एक महीना हो चुका है और उसके शरीर में अब भी पेलेट फंसे हुए हैं। राहुल गांधी के अनुसार, युवक की आंख में तीन पेलेट फंसे हैं, जिसके कारण उसे दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि तीन से चार पेलेट उसके दिल के पास बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि युवक के साथ गंभीर अन्याय हुआ है और प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए उन्हें करीब आठ घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

कांग्रेस ने उठायापेलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया?

कांग्रेस ने इस मामले को लेकर सवाल उठाया था कि छात्रों पर पेलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया। पार्टी ने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस को इस संबंध में जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया था कि साहिल और उसकी मां लगातार प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग कर रहे थे, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

कॉकरोचों की धुनाई

रांका समेत कइयों को भगाया

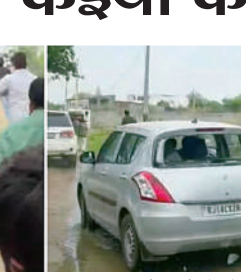

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के बगरू इलाके के रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल की बदहाल स्थिति को लेकर शुक्रवार को जबरदस्त हंगामा हो गया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने ङ्गस्कूल ठीक करोफ अभियान के तहत पार्टी के कार्यकर्ताओं को गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय की स्थिति देखने के लिए भेजा था। हालांकि, ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए कार्यकर्ताओं को वहां से खदेड़ दिया। सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि उनकी टीम के सदस्यों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने मारपीट की और उनकी गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। दूसरी ओर, ग्रामीणों ने सीजेपी कार्यकर्ताओं के गांव में आने का विरोध करते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया है।

स्कूल पहुंचते ही शुरू हुआ विरोध

सुबह रामपुरा-कंवरपुरा गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में उस समय हंगामा शुरू हुआ, जब सीजेपी के कार्यकर्ता स्कूल की स्थिति देखने वहां पहुंचे। ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और कार्यकर्ताओं को वहां से जाने के लिए कहा। ▶10पर

पहाड़ से गिरे बाप-बेटे सदमे में माँ भी कूद गयी

छत्रपति संभाजीनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

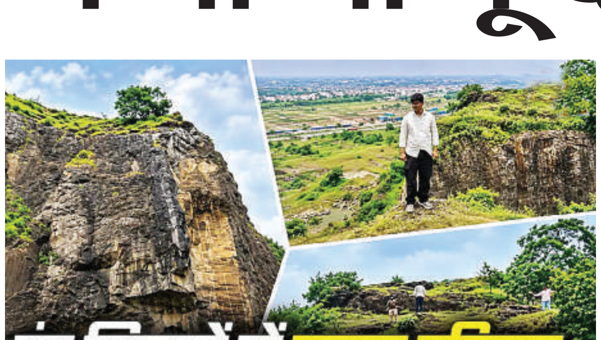

छत्रपति संभाजीनगर के तिसगांव इलाके में स्थित खवड्या पहाड़ के पास कुछ ही घंटों में एक परिवार की पूरी जिंदगी बदल गई। 18 वर्षीय कुणाल चांदवडे किसी वजह से परेशान था। शुक्रवार सुबह वह खवड्या पहाड़ के पास पहुंच गया। परिवार को जब उसके वहां होने की जानकारी मिली तो उसके माता-पिता भी तुरंत मौके पर पहुंचे और बेटे को समझाकर घर वापस लाने का प्रयास करने लगे। इसके लिए गांव के लोग और सरपंच भी मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे तक सभी लोग कुणाल को समझाने की कोशिश करते रहे। उसकी मां लगातार उससे बातचीत करती रही।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक खवड्या पहाड़ के पास लोगों की कोशिशें चलती रहीं। कुणाल को समझाने के लिए आसपास के गांवों के लोग और सरपंच भी वहां पहुंचे थे। सरपंच ने उसे मनाने के लिए आईफोन देने की बात तक कही, लेकिन कुणाल किसी की बात सुनने के लिए तैयार नहीं हुआ।

इस बीच पुलिस और अग्निशमन दल की टीम भी मौके पर पहुंच गई। सभी ने अपनी ओर से कुणाल को समझाने और उसे सुरक्षित वापस लाने का प्रयास किया। ▶10पर

फेंग शुई के स्वास्थ्य संबंधी उपाय

इस संसार में पैसा और हीरे जवाहरात इंसान को अच्छा स्वास्थ्य खरीद कर नही दे सकते। अच्छे स्वास्थ्य के बिना आप खुशियों का भरपूर आनंद नहीं ले सकते। व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो सब कुछ ठीक है। फेंगशुई में स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के लिए कई आसान उपाय बताये गये हैं। स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के यह उपाय हैं।

1. अगर आप अपना स्वास्थ्य सुधारना चाहते हैं तो हमेशा अपनी निजी शुभ दिशा की ओर सिर करके सोएं। यह शुभ दिशा आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हैं।
2. शीशे की तरफ मुंह करके ना सोएं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके अलावा सोते समय सामने दर्पण या वाटर प्लांट, एक्वेरियम, झील और नदी की पेंटिंग नहीं होनी चाहिए।
3. उस कमरे में ना सोएं जिसके ऊपर टॉयलेट या वाशिंग मशीन स्थित हैं।
4. घर में लगे बीम के नीचे न सोएं क्योंकि यह सिरदर्द का कारण होता है।
5. एक लंबे गलियारे के अंत में स्थित कमरे में सोने से बचें या एक कमरा जिसका दरवाजा सीधे सीढियो की तरफ खुलता हैं। ऊर्जा का मजबूत प्रवाह कमरे में रहने वालों के लिए बीमारी लाने वाला साबित होगा।
6. कमरे के तेज किनारों और आगे को निकलने वाले कोनों को भी देखे जो कमरे में हानिकारक जहर के तीर भेजने का काम करते हैं।
7. अपने घर के पूर्वी भाग को विशेष रूप से ऊर्जावान बनाएं, क्योंकि यह क्षेत्र स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतिनिधित्व करता है।

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का जयंती मेला एवं झूलनोत्सव

भारत की भूमि को देवताओं की क्रीड़ा स्थली होने के कारण परम पावन माना जाता है। इस पावन भूमि में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीलाधारी श्री कृष्ण, महात्मा बुद्ध एवं महावीर स्वामी जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया। गीता के श्लोक यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत के अनुसार जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतार लेते हैं। ईश्वर ने स्वयं पग-पग पर अनेकों चमत्कारों से मानव को सही राह दिखायी है।

दिव्य जन्म और बाल लीलाएँ

इसी प्रकार सन् 1895 में श्रावण शुक्ल दशमी को राजस्थान के झुंझुनू नगर में श्री झुथाराम एवं लक्ष्मी देवी जी के आँगन में एक दिव्यात्मा ने जन्म लिया, जिन्हें आज लोग विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के नाम से घर-घर में पूज रहे हैं।

जन्म के उपरांत बाबा गंगाराम जी ने बालपन में झुंझुनू नगर में बहुत-सी लीलाएँ कीं। तत्पश्चात उन्होंने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी नगर को अपनी कर्मभूमि बनाया, जहाँ बाबा गंगाराम जी ने अनेकानेक कल्याणकारी चमत्कार किये। सूखाग्रस्त उस नगर में बाबा गंगाराम जी ने चमत्कारी रूप से जल की पावन धारा प्रवाहित की, जिसे आज भी कल्याणी नदी के नाम से सब जानते हैं। कल्याणी नदी के समीप ही एक वटवृक्ष के नीचे बाबा गंगाराम जी समाधि में लीन रहते थे तथा वहीं उन्होंने अपने आराध्य शिव जी की स्थापना की। एक समय कल्याणी नदी में स्नान करते हुए वहाँ खड़े भक्तों को बाबा गंगाराम जी ने नदी के जल में श्री हरि विष्णु भगवान के दर्शन करवाए।

स्वधाम गमन और मंदिर स्थापना का दिव्य आदेश

इस प्रकार विभिन्न लीलाएँ करते हुए मात्र 42 वर्ष की आयु में बाबा गंगाराम जी ने पृथ्वी लोक छोड़कर स्वधाम प्रस्थान किया। कुछ समय उपरांत बाबा गंगाराम ने अपने परम भक्त देवकीनंदन को स्वप्न में दर्शन देकर बताया कि वह जगत् कल्याण हेतु पृथ्वी लोक पर विष्णु अवतार बाबा गंगाराम के रूप में आए हैं तथा यह आदेश सुनाया कि राजस्थान के झुंझुनू में श्री लक्ष्मी माता, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान तथा श्री दुर्गा माता सहित बाबा गंगाराम जी के मंदिर की स्थापना करें, जहाँ आने वाले सभी भक्तों के सभी बिगड़े काम बनेंगे।

आदेशानुसार सन् 1975 में भक्त देवकीनंदन ने अपनी धर्मपत्नी देवी गायत्री जी के साथ मिलकर झुंझुनू में बाबा गंगाराम जी के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना करवाई। आज बाबा गंगाराम जी के अनगिनत चमत्कार भक्तों के साथ होते रहते हैं एवं बाबा गंगाराम जी के भक्तों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। जो भी बाबा गंगाराम जी की भक्ति करता है, उसकी समस्त मनोकामनाएँ बाबा गंगाराम जी अवश्य पूरी करते हैं।

इस वर्ष का भव्य जयंती मेला एवं झूलनोत्सव आज

प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रावण शुक्ल दशमी, 22 अगस्त 2026 को झुंझुनू नगर में बाबा गंगाराम धाम श्री पंचदेव मंदिर में बाबा गंगाराम जयंती मेला तथा झूलनोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से भारी संख्या में भक्त आएंगे। इस आयोजन में बाबा गंगाराम जी का सामूहिक अमृतवाणी पाठ विश्वविख्यात कलाकारों द्वारा किया जाएगा तथा शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। भव्य झूलन-श्रृंगार, छप्पन भोग एवं महाआरती इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहेंगे। बाबा गंगाराम सेवा समिति द्वारा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

जब संत ने दिया सुख का मंत्र

एक राजा था। वह बडा निडर और उदार था। उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी। एक दिन राजा एकांत में बैठा सोच रहा था। सोचते-सोचते वह गहराई में उतर गया। उसे लगा, इतनी सारी सुख-निधि पाकर भी आदमी दु:खी क्यों है। एक दिन उसने अपने दरबारियों को आज्ञा दी कि सबसे सुखी और तन्दुरूस्त आदमी को पकड कर लाओ। दरबारी और प्रजा हैरान। वे राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए बहुत भटके, पर राजा जैसा चाहता था, वैसा एक भी आदमी नहीं मिला। उन्होंने दरबार में आकर राजा से कहा, 'हे राजन इस धरती पर पूर्ण सुखी और स्वस्थ कोई भी इंसान नहीं है। किसी को कोई दुख है तो किसी को कोई।' सुनकर राजा स्तब्ध रह गया। फिर बोला, 'तो क्या मेरे राज्य में सब दुखी और बीमार हैं। इस धरती पर कोई भी सुखी नहीं है। नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जाओ, एक बार फिर खोजो।' दरबारी क्या करते! फिर निकले। घूमते-घूमते वे एक निर्जन और वीरान जंगल से गुजरे। देखा, एक संत ध्यान में लीन हैं। वे वहीं जाकर बैठ गए।

ध्यान खुलने पर संत ने पूछा, 'तुम लोग कौन हो। कहां से आए हो।' दरबारियों ने कहा, 'हम राजा की आज्ञा मानकर सबसे सुखी और स्वस्थ प्राणी को खोजने निकले हैं।' सुनकर संत बोले, 'क्या तुम्हें अब तक ऐसा कोई आदमी मिला है।' दरबारियों ने कहा, 'नहीं' इसके बाद साधु उनके साथ राजा के पास गए। राजा संत को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। संत ने कहा, 'राजन! तुम व्यर्थ ही परेशान होते हो। क्या तुम्हें पता है कि मनुष्य के ह्वदय में ही सुख का अपार भंडार भरा पडा है। जरा टटोलो तो अपने को। सुख की खोज में जैसे कस्तूरी मृग इधर-उधर भटकता है, वैसे ही तुम भटक रहे हो। सुख के लिए बाहर नहीं, भीतर देखना होता है।' राजा का ह्वदय पुलक उठा। उसकी समस्या हल हो गई। चूहा और गिलहरी एक था चूहा, एक थी गिलहरी। चूहा शरारती था। दिन भर 'चीं-चीं' करता हुआ मौज उड़ाता। गिलहरी भोली थी। 'टी-टी' करतीं हुई इधर-उधर घूमा करती।

संयोग से एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया। अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, 'मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में खूब जानते हैं। मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं।' मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बहुत बुरा लगा। बोली, 'भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं। यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है, तो इससे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते। इनका उपयोग करो तो जानूं। जहां तक मेरा सवाल है, मुझमें तुम सरीखा कोई गुण नहीं है।

मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस ये ही मेरी खास चीज है। जो दाना-पानी मिल जाता है, उसका कचरा साफ करके संतोष से खा लेती हूं।' चूहा बोला, 'तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है।' गिलहरी बोली, 'वाह! तुम्हें पता नहीं। आसपास दो काली धारियां हैं, उनके बीच में एक सफेद है। इनका मतलब है कि कठिनाइयों की परतों के बीच से ही असली सुख झांकता है। दो काली अंधेरी रातों के बीच में ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है।'

बाल भी बताते हैं व्यक्ति के गुण, स्वभाव और मनोवृति

बालों के रूप में मस्तिष्क के विचार भी प्रकट होते है। बालों को देखकर आप किसी व्यक्ति के गुण, स्वभाव और उसकी मनोवृति को आसानी से जान सकते हैं।

सीधे बाल वाले व्यक्ति स्पष्टवादी, सरल और खुले दिल के होते हैं। घुंघराले बाल वाले व्यक्तियों में निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है। घुंघराले बाल वाले धैर्यहीन, संकोची और अस्थिर होते हैं। लहरदार बालौं लोग मनमौजी, अतिक्रोधी, कर्मठ, कामुक, मतलबी और परिवर्तनशील होते हैं। ऐसे लोगों का मन हर क्षण बदलता रहता है।

रूखे बाल निम्नकोटि की मानसिक बौद्धिक क्षमता का प्रतिक हैं।

ऐसे लोग व्यवहार से कठोर और अल्पबुद्धि होते हैं। नरम एवं पतले बाल वाले मन से शुद्ध, सरल, भावुक, अबोध व निर्मल दिल के होते हैं। ऐसे व्यक्तियों का स्वभव बच्चों की तरह सरलहोता है।

ऐसे व्यक्ति उच्चा कोटी के कलाकार, दार्शनिक या समाज सेवक हो सकते हैं। मोटे बालों व्यक्ति में जीवनी शक्ति की प्रचुरता, कठोर परिश्रम करने वाले और धैर्यवान होते हैं। ऐसे व्यक्ति इरादे के पक्के और खान-पान के शौकीन होते हैं।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

कुशा: काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दका:। गोधूमा ब्राहमयो मौन्जा दश दभा : सबल्वजा:।।

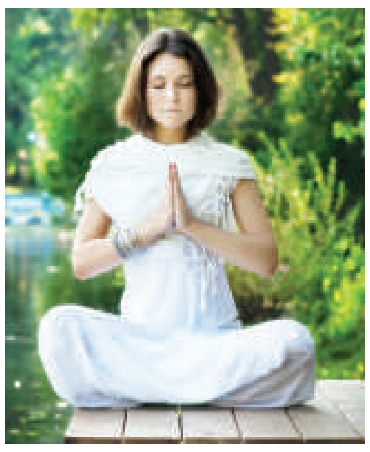

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व

हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

जब श्रीकृष्ण पर लगा चोरी का आरोप

एक दिन सत्राजित भगवान सूर्य द्वारा प्रदत्त स्यमंतकमणि धारणकर श्रीकृष्ण से मिलने आए। मणि के प्रकाश को देखकर यदुवंशी बोले- 'हे कृष्ण, यह मणि तो राजा उग्रसेन जी को अच्छी लगेगी। अत: आप यह मणि लेकर राजा उग्रसेन को दे दें। श्रीकृष्ण ने भी हंसकर सत्राजित से कहा- 'सत्राजित, तुम यह मणि हमारे राजा को दे दो।' परंतु यह सुनकर सत्राजित सभा से उठकर चले गए।

घर पहुंचकर सत्राजित ने भाई प्रसेनजित को सारा प्रसंग कह सुनाया। प्रसेनजित मणि पहनकर शिकार खेलने के लिए जंगल में चले गए। जंगल में एक मृग का पीछा करते-करते प्रसेनजित एक ऐसी गुफा में पहुंच गए, जहां घोर अंधेरा था। गुफा में शेर रहता था। उस शेर ने प्रसेनजित पर हमला करके उसे मार दिया और मणि गुफा में ले गया। मणि के प्रभाव के कारण गुफा सूर्य की तरह जगमगा उठी।

वहीं जामवंत निवास कर रहे थे। जब उन्हें गुफा में मणि होने की बात पता चली, तो उन्होंने शेर को मारकर मणि प्राप्त कर ली और मणि को अपनी बेटी के पालने से बांध दिया। उधर प्रसेनजित के साथ जो लोग शिकार खेलने गए थे, उन्होंने लौटकर सत्राजित को प्रसेनजित के लापता होने का हाल कह सुनाया। सत्राजित का शक सीधा श्रीकृष्ण पर गया कि मणि न देने पर उन्होंने ही उनके भाई को मारा है।

भाई के शोक में सत्राजित को उदास देखकर उनकी पत्नी ने पूछा, तो सत्राजित ने अपने मन की बात पत्नी को बता दी। सत्राजित की पत्नी ने यह बात अपनी पड़ोसन से कह दी। पड़ोसन से यह बात आगे फैलने लगी। फैलते-फैलते यह बात भगवान श्रीकृष्ण तक भी पहुंच गई। तब श्रीकृष्ण ने स्वयं पर लगा यह लांछन दूर करने के लिए प्रण किया कि वह सारा भेद स्पष्ट करेंगे तथा मणि को वापस लेकर आएंगे।

वह दल-बल सहित मणि की तलाश में निकल पड़े। रास्ते में उन्हें घोड़े के पैरों के चिह्न दिखाई दिए। आगे जाने पर घोड़े व प्रसेनजित का शव भी मिल गया। वहीं पर सिंह के पैरों के निशान देखकर सबने अंदेशा जताया कि यह सब सिंह ने किया है। सिंह के पैरों के निशानों के पीछे-पीछे श्रीकृष्ण गुफा में चले गए। वहां पर सिंह भी मरा मिला, परंतु मणि नहीं मिली।

श्रीकृष्ण गुफा में भीतर पहुंचे तो जामवंत की पत्नी डरकर चिल्लाने लगी। फिर जामवंत व श्रीकृष्ण में घोर युद्ध हुआ। जब जामवंत श्रीकृष्ण को पराजित न कर पाए, तो उन्होंने मन ही मन प्रभु श्रीराम का स्मरण किया।

भगवान श्रीकृष्ण ने जामवंत को श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए। भगवान के दर्शन करके वह धन्य हुए तथा उन्होंने मणि व अपनी पुत्री श्रीकृष्ण को सौंपकर उनसे क्षमा मांगी। श्रीकृष्ण ने वह स्यमंतकमणि सत्राजित को वापस करके स्वयं पर लगा कलंक धोया।

घर में शांति के लिए रखें गुलदस्ता

बदलते दौर में वास्तु का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। आजकल कई बड़े-बड़े बिल्डर व इंटीरियर डेकोरेटर भी घर बनाते व सजाते समय वास्तु का विशेष ध्यान रखते हैं। वास्तु के अनुसार ही वे कमरे की बनावट, उनमें सामान की साज-सज्जा करते हैं। इससे घर की खूबसूरती बढ़ने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रवाह होता है। वास्तु के अनुसार घर की सजावट करते समय निम्न बातों का ध्यान रखें—

- घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक अथवा ॐ की आकृति लगाने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।
- जिस भूखंड या मकान पर मंदिर की पीठ पड़ती है, वहां रहने वाले आए-दिन आर्थिक व शारीरिक परेशानियों में घिरते रहते हैं।
- समृद्धि की प्राप्ति के लिए नॉर्थ-ईस्ट दिशा में पानी का कलश अवश्य रखना चाहिए।
- घर में ऊर्जामय वातावरण बनाने में सूर्य की रोशनी का विशेष महत्व होता है, इसलिए घर की आंतरिक साज-सज्जा ऐसी होनी चाहिए कि सूर्य की रोशनी घर में पर्याप्त रूप में प्रवेश करे।
- घर में कलह अथवा अशांति का वातावरण हो, तो ड्राइंग रूम में फूलों का गुलदस्ता रखना अच्छा रहता है।
- अशुद्ध वस्त्रों को घर के प्रवेश द्वार के मध्य में नहीं रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार रसोईघर में देवस्थान नहीं होना चाहिए।
- गृहस्थ के बेडरूम में भगवान के चित्र अथवा धार्मिक महत्व की वस्तुएं नहीं लगी होनी चाहिएं।
- घर में देवस्थान की दीवार से शौचालय की दीवार का संपर्क नहीं होना चाहिए।

थायराइड के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर

थायराइड हार्मोन चयापचय की दर को सही बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसके ठीक से काम न करने से वजन का बढ़ना, थकान, हाथों और पैरों में ठंडापन,चिंता, बालों को झाड़ना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। घबराइए नहीं एक्यूप्रेशर थेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों खासकर हथेलियों और पैरों के तलवों के बिन्दुओं पर दबाव डालकर इलाज करने को एक्यूप्रेशर चिकित्साकहा जाता है।

मुंह और जीव के घाव में हरा धनिया सहायक

धनिया स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। हरे धनिया में विटामिन ए, सी, पोटैशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, कैरोटीन आयरन, फाइबर, जैसे पोषक तत्व काफी मात्रा में होते है, जो हर तरह के रोगों से शरीर को बचाते है। हरे धनिए में मौजूद एंटी-सेप्टिक गुण जीभ और मुंह के अंदर घाव होने से बचाता है। शरीर की आंतरिक और बाहरी जलन और पेट की एसिडिटी को दूर करता है।

हेल्थ को ऐसे नुकसान पहुंचाता है मैदा...

मैदे का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है लेकिन क्या आपको पता है कि मैदे से बनीं चीजें हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है या नहीं। आज हम आपको मैदे के बारे में बताएंगे कि मैदा हमारी सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाता है। मैदे के कई साइड इफेक्ट होते हैं, जिनका हमें लंबे समय बाद पता चलता है। एक शोध से बात सामने आई है कि मैदे को सफेद रंग ब्लीच से दिया जाता है। इसके ज्यादा सेवन से हमारी सेहत खराब हो सकती है और कई तरह की परेशानियां भी हो सकती है। आइए जानते है मैदे से सेहत को होने वाले नुकसान...

डायबिटीजः मैदे में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिसके सेवन से शुगर लेवल बढ़ जाता है। अगर आप भी मैदे का अधिक सेवन करते है तो संभल जाएं।

पेट की समस्याः मैदे में डाइट्री फाइबर बिल्कुल नहीं होता, इसलिए मैदे से बनी डिश का सेवन करने से ये पूरी तरह से पच नहीं पाता है। इसके सेवन से अक्सर कब्ज की समस्या हो जाती है।

फूड एलर्जीः मैदे में काफी मात्रा में ग्लूटन पाया जाता है जो खाने को लचीला बना कर उसको मुलायम टेक्सचर देता है और फूड एलर्जी का कारण बनता है।

हड्डियां कमजोरः मैदे में प्रोटीन ना होने से शरीर में एसिड बन जाता है, जो हड्डियों से कैल्शियम को कम करके उनको कमजोर कर देता हैं।

मोटापाः मैदा में स्टार्च की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। यही नहीं इससे कोलेस्ट्रॉल स्तर भी बढ़ता है। अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो मैदे का कम सेवन करें।

आज ही छोड़े रात में लाइट जलाकर सोने की आदत

अगर आपको रात में लाइट जलाकर सोने की आदत है तो समय रहते ये आदत बदल डालिए क्योंकि एक रिसर्च से ये बात साबित हुई है कि लाइट जलाकर सोने से आपको गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हमारे शरीर का एक बायोलॉजिकल क्लॉक सूरज और चांद की रोशनी से नियंत्रित होता रहता है जो कि कृत्रिम रोशनी के कारण गड़बड़ा रहा है। इसलिए कभी भी लाइट जलाकर नहीं सोना चाहिए। यदि हम रात को सोते समय लाइट जलाकर रखते हैं तो ये शरीर में कैंसर कोशिकाओं को एक्टिव करता है। एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि सोने के समय अगर रोशनी हो तो ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका में 22 फीसदी का इजाफा होता है। लाइट जलाकर सोने से नींद में भी व्यवधान का सामना करना पड़ता है। आपने खुद ये बात महसूस की होगी कि जब भी फोन या लैपटॉप की लाइट जलती है आपकी नींद अपने आप टूट जाती है। सोते समय लाइट जलाकर रखना हमारे मूड पर तो असर डालता है। हमारे दिल को भी इससे नुकसान पहुंचता है। इससे हृदय सम्बंधी बीमारियां हमें धर दबोचती हैं। लाइट जलाकर रखने से हमारे ब्लडप्रेशर पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा ये हमारे दिमाग को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

क्या आप मांसपेशियों और चयापचय स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं? और बड़ी संख्या में स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने वाले प्राकृतिक पदार्थ की खोज कर रहे हैं? तो आपको मैलिक एसिड पर विचार करना चाहिए। यह स्वस्थ होने के साथ बहुत सारे लाभ प्रदान करता है।

मैलिक एसिड से दूर करें

क्रोनिक थकान सिंड्रोम...

मैलिक एसिड एक प्राकृतिक पदार्थ है, कि ज्यादातर फलों और सब्जियों के बीच पाया जाता है। जो कि सेब जैसे फलों के साथ जुड़ा होता है, और कार्बोहाइड्रेट को एनर्जी में परिवर्तित करने के लिए जाना जाता है। यह स्वास्थ्य समस्याएं फाइब्रोमयाल्जिया और क्रोनिक थकान सिंड्रोम के उपचार में लाभदायक होता है। इतना ही नहीं, अगर आप साफ, चमकदार और सॉफ्ट त्वचा चाहते हैं तो आपकी समस्या का हल निश्चित रूप से मैलिक एसिड है। आइए मैलिक एसिड के स्वास्थ्य और सौंदर्य लाभ के बारे में जानकारी लेते हैं।

एनर्जी बढ़ाए

हमें पूर्णरूप से जीने के लिए एनर्जी की जरूरत होती है। अगर आपको भरपूर नींद लेने के बावजूद दिन भर एनर्जी महसूस नहीं होती या आप सुस्त महसूस करते हैं, तो समस्या आपके शरीर के साथ नहीं है बल्कि आपके खान-पान में हैं। आपके आहार में मैलिक एसिड का अभाव है। मैलिक एसिड के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह एनर्जी के स्तर को बढ़ा देता है। यह प्रतिबंध चक्र का एक महत्वपूर्ण घटक है जो आपके शरीर में एनर्जी में प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट में बदल जाता है। यह आपके शरीर में एनर्जी के स्तर के उत्पादन में सुधार करता है।

ओरल स्वच्छता के लिए बेस्ट

मैलिक एसिड आपके ओरल स्वच्छता के लिए अच्छा होता है। यह लार के उत्पादन को बढ़ा कर, मुंह में विषाक्त बैक्टीरिया के स्तर को कम करता है। इससे दांत साफ होते हैं और पीले निशान तेजी से कम होते हैं। इसके अलावा दांतों को सुरक्षा और मजबूती मिलती है। अक्सर, मैलिक एसिड वाणिज्यिक उत्पादों, माउथवॉश और टूथपेस्ट में मिलाया जाता है।

खूबसूरत त्वचा

मैलिक एसिड से भी त्वचा में अद्भुत निखार आता हैं। मैलिक एसिड त्वचा को लंबे समय तक सुंदर और स्वस्थ रखने में मददगार होता है। यह प्राकृतिक रूप से व्हाइटनिंग एजेंट के रूप में जाना जाता है। जब आप इसे सीधा त्वचा पर लगाते है, तो यह त्वचा को एक्सफोलिएट और सॉफ्ट करता है, साथ ही एजिंग के निशान को भी कम करता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से झुर्रियां दूर हो जाती है। इसके अलावा कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है जिससे मुंहासों के सभी लक्षण समाप्त हो जाते हैं।

दर्द कम करें

मैलिक एसिड शरीर के दर्द को कम करने के लिए भी जाना जाता है। हालांकि, इसके लंबे समय तक परिणाम देखने के लिए इसे आपको नियमित आधार पर लेना होगा। आमतौर पर शरीर के दर्द को कम करने के लिए 48 घंटे का समय पर्याप्त माना जाता है। अब आप जब भी गंभीर दर्द से परेशान होगें तो आपको पता है कि आपको क्या करना है।

कितना लें मैलिक एसिड

ज्यादातर अध्ययनों और शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रतिदिन मैलिक एसिड की 1,200 से 1,800 मिलीग्राम तक राशि लेने की सिफारिश की जाती है। यह क्रोनिक थकान सिंड्रोम जैसी स्वास्थ्य की स्थिति के इलाज के लिए जाना जाता है। हालांकि मैलिक एसिड में विषाक्तता नहीं होती है, लेकिन इसके सेवन से कुछ लोगों का पेट खराब हो सकता है। अगर आपको नियमित आधार पर मैलिक एसिड लेने के लिए सिफारिश की है, तो प्रतिदिन 280 मिलीग्राम लेना, सबसे अच्छा रहता है।

अमृत समान है काले नमक का पानी...

आयुर्वेद के अनुसार काला नमक अपने आहार में शामिल करने से शरीर के कई रोग दूर हो सकते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, हाई बीपी, डिप्रेशन और पेट की तमाम बीमारियों से मुक्ती दिलाता है क्योंकि इसमें 80 प्रकार के खनिज शामिल हैं। अगर आप सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु कर दें तो आपको काफी स्वास्थ्य लाभ पहुंच सकता है। कुछ लोंगो को अभी पता नहीं है कि सादे नमक का बहुत ज्यादा प्रयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है इसलिए अच्छा होगा कि आप उसे हटा कर काले नकम का सेवन कीजिए।

मोटापा घटाएः यह पाचन को दुरस्त कर के शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे मोटापा कंट्रोल करने में मदद मिलती है। समुंद्री नमक छोड़ कर आपको इस नमक को अपने आहार में शामिल करना चाहिए।

जोड़ों के दर्द में आराम दिलाएः मासपेशियों के दर्द और जोड़ों के दर्द से यह नमक आराम दिलाता है। आपको एक कपड़े में 1 कप काला नमक डाल कर उसे बांध कर पोटली बनानी है। इसके बाद उसे किसी पैन में गरम करें और उससे जोड़ों की सिकाई करें। इसे दुबारा गरम कर के फिर से दिन में दो बार सिकाई करें।

आंत की गैस से छुटकारा दिलाएः अगर गैस से छुटकारा पाना है तो एक कॉपर का बरतन गैस पर चढाएं, फिर उसमें काला नमक डाल कर हल्का चलाएं और जब उसका रंग बदल जाए तब गैस बंद कर दें। फिर इसका आधा चम्मच ले कर एक गिलास पानी में मिक्स कर के पिएं।

सीने की जलन से मुक्तीः क्षारीय प्रकृति होने के नाते यह पेट में जा कर वहां बनने वाले एसिड को काटता है और सीने की जलन तथा एसिडिटी को ठीक करता है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करेः काला नमक खाने से रक्त पतला होता है जिससे वह पूरे शरीर में आराम से पहुंचता है। ऐसे में आपका हाई कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर ठीक होता है। हाइ बीपी है तो नमक की जगह पर खाएं यह मसल स्पैजम और क्रैंप में आराम दिलाए-काला नमक में पोटैशिमय होता है जो कि हमारी मासपेशियों को ठीक से काम करने में मदद करता है। इसलिये काले नमक को रोजाना खाने में शामिल करें जिससे मसल स्पैजम और क्रैंप ना हो।

शिशुओं के लिए भी अच्छाः काला नमक छोटे बच्चों के लिए सबसे अच्छा है। यह अपच और कफ की जमावट को सीने से हटाता है। अपने शिशु के भोजन में थोड़ा सा काला नमक रोजाना मिलाएं क्योंकि इससे उनका पेट भी ठीक रहेगा और कफ आदि से भी छुटकारा मिलेगा।

नींद लाने में लाभदायकः अपरिष्कृत नमक में मौजूदा खनिज हमारी तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। नमक, कोर्टिसोल और एड्रनलाईन, जैसे दो खतरनाक सट्रेस हार्मोन को कम करता है। इसलिए इससे रात को अच्छी नींद लाने में मदद मिलती है।

रूसी से मुक्ती दिलाएः अगर आपको रूसी और बाल झड़ने की समस्या है तो काला नमक और टमाटर का जूस हफ्ते में एक दिन सिर में लगाएं। यह रूसी को दूर करेगा और बालों की ग्रोथ को भी बढ़ाएगा।

शरीर करे डिटॉक्सः नमक में काफी खनिज होने की वजह से यह एंटीबैक्टीरियल का काम भी करता है। इसकी वजह से शरीर में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया का नाश होता है।

त्वचा की समस्याः नमक में मौजूद क्रोमियम एक्ने से लड़ता है और सल्फर से त्वचा साफ और कोमल बनती है। इसके अलावा नमक वाला पानी पीने से एग्जिमा और रैश की समस्या दूर होती है।

कैसे बनाएं काला नमक वाला पानीः एक गिलास गुनगुने पानी में आधा छोटा चम्मच काला नमक मिलाइए। फिर इसे चम्मच से मिक्स कीजिए और 24 घंटे के लिए छोड़ दीजिए। उसके बाद जब सारा नमक पानी में घुल जाए तब इसे पी जाइए एवं किसी भी उपचार को करने से पहले य अन्य किसी समस्या के लिए अपने डॉक्टर से अवश्य संपर्क करें।

LIFE-STYLE

छोटे-छोटे टिप्स कर सकते हैं जिंदगी में बड़े बदलाव

दाम्पत्य को खुशहाल बनाते बेडरूम में सुंदर चित्र

बेडरूम हमारे घर का बहुत ही खास हिस्सा होता है। कई बार बेडरूम में वास्तु दोष होने से उसका बुरा असर हमारे दांपत्य जीवन पर भी पड़ता है। वास्तु टिप्स का उपयोग हमारे बेडरूम में करें तो दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रह सकती है। ये वास्तु टिप्स इस प्रकार हैं...

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए पलंग के सामने की दीवार पर सुंदर चित्र लगाने चाहिए। सुंदर चित्रों से मन में शांति की अनुभूति होती है और पलंग के सामने दर्पण नहीं होना चाहिए। अगर पलंग के सामने दर्पण होगा तो आप हमेशा परेशान रहेंगे। बेडरूम में पलंग हमेशा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। सोते समय सिर उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो पश्चिम दिशा में पलंग रखना चाहिए। इस स्थिति में सोते समय मुंह पूर्व की ओर व सिरहाना पश्चिम की ओर रहना चाहिए। पूर्व की ओर व उत्तर की ओर मुंह करके सोना सुखदायक होता है। दक्षिण की ओर मुख करके नहीं सोना चाहिए। दक्षिण की ओर मुंह करके सोने से नींद नहीं आती है ।

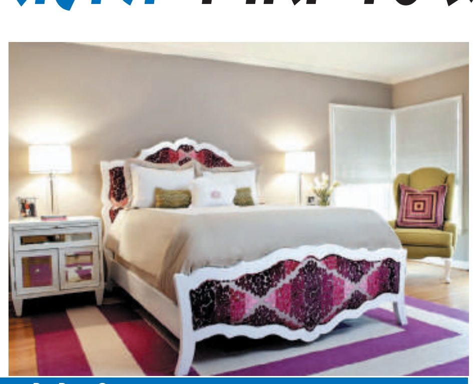

दरवाजे से दूरी

बेडरूम में आपका बेड दरवाजे के पास नहीं होना चाहिए यदि ऐसा करेंगे तो चित में अशांति व व्याकुलता बनी रहेगी। बेडरूम में खिड़की अवश्य होना चाहिए। सुबह की किरणें बेडरूम में प्रवेश करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। कभी भी मुख्य द्वार की ओर पैर करके न सोएं।

बेड पर सीधे न पड़े प्रकाश

बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल कभी भी खिड़की के सामने न रखें, क्योंकि खिड़की से आने वाला प्रकाश परावर्तित होने के कारण परेशानी उत्पन्न करेगा। पलंग के सामने खिड़की न होकर ठोस दीवार होना चाहिए। बेडरूम में पलंग के दाईं ओर छोटी टेबल आवश्यक वस्तु रखने के लिए रख सकते हैं। बेडरूम में प्रकाश व्यवस्था ऐसी हो कि पलंग पर सीधा प्रकाश नहीं पड़े। प्रकाश सदैव पीछे या बाईं ओर से आना चाहिए। मुख्य बेडरूम नैऋत्य (पश्चिम-दक्षिण) कोण में होना चाहिए। मुख्य बेडरूम वह होता है, जिसमें घर का मालिक सोता है। गलत दिशा में बेडरूम होने पर कमरे में राधा-कृष्ण का प्रेममय फोटो लगाएं। ऐसा करने पर कमरे के वास्तु दोष खत्म हो जाएंगे।

एयरोस्पेस मैनेजमेंट में भविष्य की उड़ान

कुछ वर्षों के दौरान ग्लोबल कमर्शियल एयरोस्पेस सेक्टर महत्वपूर्ण विकास का साक्षी रहा है। एयरोस्पेस सेक्टर में हुए इस विकास की बदौलत ट्रेंड मैनेजर्स की जरूरत पैदा हुई है। इसे देखते हुए हाल ही में कनाडा की एचईसी मांट्रियाल ने एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए डिग्री लॉन्च की है ताकि देश-विदेश में एयरोस्पेस सेक्टर में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा सके।

योग्याताएं जरूरी

एयरोस्पेस इंडस्ट्री में अक्सर मैनेजर्स की शुरुआत साइंटिफिक या टेक्निकल बैकग्राउंड से होती है, जिसके पश्चात वे टीम या प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पोजीशंस पर पहुंचते हैं, लेकिन इस कार्य के लिए उनमें कुछ विशिष्ट गुण, कौशल तथा योग्यताएं होनी जरूरी होती हैं। एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए उन्हें वह कौशल देगा, जिसकी उन्हीं इस क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरत पड़ेगी। एयरोवर्ल्ड एमबीए नामक यह प्रोग्राम एक वर्षीय कोर्स है, जिसे एयरोस्पेस में महारत रखने वाले ईबीसी एयरोवर्ल्ड इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ मिल कर करवाया जाएगा।

बेहतर कॅरियर की संभावनाएं

बोइंग के अनुसार अगले 20 वर्षों के दौरान नए विमानों में से आधे से अधिक की बिक्री चीन तथा भारत जैसे देशों में होगी। नए विमान बनाने में विलम्ब, अनिश्चितता, बड़ा पूंजी निवेश तथा लम्बे समय तक वसूली जैसी बातें जुड़ी होती हैं। ऐसे में एयरोस्पेस इंडस्ट्री को न केवल उच्च दक्षता व कुशलता सहित रणनीतिक दृष्टिकोण वाले इंजीनियर्स व वैज्ञानिक ही नहीं, अच्छी तरह प्रशिक्षित मैनेजर व लीडर्स भी चाहिए। इसलिए एयरोस्पेस मैंनेमेंट में एमबीए से आप इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसमें शुरुआती सैलरी 25 से 30 तक हो सकती है। इसे बाद तजुर्बा बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी इजाफा होगा।

रेसिपी

कॅरेमलाईस्ड बनानास्

सामग्री

- 2 बड़े पके हुए केले
- 2 टेबल-स्पून मक्खन
- 2 टेबल-स्पून ब्राउन शुगर
- 1/4 टी-स्पून दालचीनी पाउडर

विधि

प्रत्येक केले को छिलकर, 2 भाग टुकड़ो में काटकर, प्रत्येक टुकड़े को 2 लंबे भाग में काट लें। आपको कुल मिलाकर 8 टुकड़े प्राप्त होंगे। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, ब्राउन शुगर डालकर, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट या शक्कर के पिघलने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। इन कॅरेमलाईस्ड केले के टुकड़ो को एक प्लेट में रखकर, दालचीनी पाउडर छिड़कर गुनगुने तापमान पर परोसें।

दही भल्ले

सामग्री

घोल के लिएः 250 ग्राम मूंग दाल, नमक स्वादअनुसार, **इमली की चटनी के लिएः** 1 कटोरी इमली का पानी, नमक स्वादअनुसार, 2 चम्मच चीनी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच जीरा पाउडर, **अन्य साम्रगीः** 100 ग्राम दही, 4 चम्मच चीनी, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, काला नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिएः** तेल

विधि

दाल को पानी में 5-6 घंटे के लिए भिगो दीजिए, फिर उसे मिक्सी में पीस लें। पीसते समय पानी न मिलाएं। अब पैन में तेल गरम करें। पीसी हुई दाल के पेस्ट की पकौड़ी बनाकर फ्राई कर लें। तलने के बाद पकौड़ों को पेपर पर निकाल लें और हल्के गरम पानी में भिगो दें। अब दही को छानकर उसमें हल्का पानी मिलाएं। दही में चीनी,नमक, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डालकर मिक्स करें। अब पैन में इमली का पानी डालकर उबालें, फिर उसमें नमक, चीनी, लाला मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर मिलाकर चटनी तैयार करें। गरम पानी में भिगोई हुई पकौड़ियों को निकाल कर दही के साथ मिलाएं। ऊपर से इमली की चटनी डालें। काला नमक, जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर छिड़क कर सज्ञ करें।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

ईरान बनेगा 'जापान'!

यह महज एक सवाल नहीं है अथवा आश्चर्य की मनःस्थिति नहीं है या चौंकाऊ खबर नहीं है कि अमरीका ईरान पर परमाणु हमला करेगा या नहीं! मानवीय और युद्धों के इतिहास में सिर्फ एक ही परमाणु हमला दर्ज है, जब अमरीका ने 6 और 9 अगस्त, 1945 को जापान के दो शहरों-हिरोशिमा और नागासाकी-पर एटम बम गिराए थे और शहरों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। क्रमशः करीब 1,40,000 और करीब 74,000 लोग मारे गए थे। महीनों और सालों बाद भी विकिरण के भयानक प्रभाव सामने आते रहे और बीमारियों से मरने वालों की संख्या अनगिनत है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के उस दौर में सिर्फ अमरीका ही परमाणु सम्पन्न देश था। सोवियत संघ ने 29 अगस्त, 1949 को सफल परमाणु परीक्षण किया और ब्रिटेन ने 1951 में परमाणु परीक्षण किया, लिहाजा अमरीका के लिए कोई तात्कालिक विध्वंसकारी चुनौती नहीं थी। आज स्थितियां और समीकरण बिल्कुल भिन्न हैं। आज रूस के पास सर्वाधिक परमाणु हथियार हैं। चीन के पास भी करीब 620 परमाणु हथियार बताए जाते हैं और वह रूस, अमरीका के बाद तीसरा सबसे बड़ा शस्त्रागार है। हम रूस और चीन का उल्लेख इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देश ईरान के 'अभिन्न मित्र' हैं और युद्ध के दौरान हथियारों, मिसाइलों, ड्रोन, वायु रक्षा प्रणालियों, सेटेलाइट रणनीतिक तस्वीरें आदि ईरान को मुहैया कराते रहे हैं। अमरीका इस यथार्थ को बखूबी जानता है। बीते दिनों राष्ट्रपति ट्रंप, उनके कुछ मंत्री, सामरिक सलाहकार, जनरल आदि 'कैंप डेविड' गए थे और गोपनीय बैठकें हुई थीं। राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थक और करीबी रहे सांसदों के भी बयान सार्वजनिक हुए थे, लिहाजा परमाणु हमले की आशंकाएं उभरीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा है कि उन्हें युद्ध समाप्त करने की हड़बड़ी नहीं है। अभी तक अमरीका ने हल्की सैन्य ताकत का ही इस्तेमाल किया है। अब अमरीका-इजरायल मिल कर ईरान पर निर्णायक हमला करेंगे। इस बयान की व्याख्या की चूंकि पांच माह से भी लंबी जंग के बावजूद अमरीका ईरान को घुटनों पर नहीं ला सका है, लिहाजा अब 'निर्णायक हमला' परमाणु का ही किया जा सकता है। हालांकि इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप का कोई बयान अथवा आदेश सार्वजनिक नहीं हुआ है, फिर भी सवालिया आशंकाएं जताई जा रही हैं कि क्या अमरीका ईरान को 'जापान' बना सकता है? गौरतलब यह है कि अमरीकी राष्ट्रपति के बयान के बिना ही ईरान ने पलटजवाब दिया है कि यदि अमरीका ने परमाणु हमला किया, तो उसे उसी तरह का जवाब दिया जाएगा। सवाल है कि क्या ईरान ने 'परमाणु बम' बना लिया है? हालांकि ईरान अब भी 'परमाणु अप्रसार संधि' (एनपीटी) का सदस्य है, लेकिन एक साल से अधिक समय से 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी' (आईएईए) ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण नहीं कर पा रही है। उसे यह भी पुष्ट जानकारी नहीं है कि ईरान में कितना यूरेनियम संवर्धन किया जा रहा है! अमरीका-इजरायल के कई हमलों के बावजूद ईरान के परमाणु केंद्र-नतांज, बुशहर, इस्फहान, फोर्डो आदि-यथावत और सुरक्षित बताए जाते हैं। सवाल है कि क्या अमरीका अब उन केंद्रों पर सीमित परमाणु हमले अथवा परमाणु सम्मत मिसाइल या बम से हमले कर उन्हें बिल्कुल नष्ट कर देना चाहता है? यह अमरीका का युद्ध थोपने का एक बुनियादी मकसद भी था। लेकिन उस स्थिति में विकिरण फैलेगा, तो कितनी मौतें होंगी? कितना विनाश होगा? खाड़ी देश का अधिकांश हिस्सा उस परमाणु विकिरण की चपेट में आ सकता है! शायद अमरीका इन यथार्थों को भी जानता है! लिहाजा रक्षा विशेषज्ञों के आकलन हैं कि अमरीकी परमाणु हमले की संभावनाएं नगण्य हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ऐसे बयानों के जरिए ईरान को सिर्फ डराना और उसे दबाव में लाने की रणनीति खेल रहे हैं। दोनों देशों के बीच शांति के जिस समझौता-दस्तावेज पर दस्तखत किए गए थे, उसकी आधिकारिक अवधि 17 अगस्त को समाप्त हो चुकी है। दोनों देश अब हमले करने या युद्ध को विस्तार देने को स्वतंत्र हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप ने अब ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इंकार कर दिया है, तो ईरान ने भी ऐसी किसी संभावना को खारिज कर दिया है।

अमरीका ने 6 और 9 अगस्त, 1945 को जापान के दो शहरों-हिरोशिमा और नागासाकी-पर एटम बम गिराए थे और शहरों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। क्रमशः करीब 1,40,000 और करीब 74,000 लोग मारे गए थे। महीनों और सालों बाद भी विकिरण के भयानक प्रभाव सामने आते रहे और बीमारियों से मरने वालों की संख्या अनगिनत है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के उस दौर में सिर्फ अमरीका ही परमाणु सम्पन्न देश था। सोवियत संघ ने 29 अगस्त, 1949 को सफल परमाणु परीक्षण किया, और ब्रिटेन ने 1951 में परमाणु परीक्षण किया, लिहाजा अमरीका के लिए कोई तात्कालिक विध्वंसकारी चुनौती नहीं थी। आज स्थितियां और समीकरण बिल्कुल भिन्न हैं। आज रूस के पास सर्वाधिक परमाणु हथियार हैं। चीन के पास भी करीब 620 परमाणु हथियार बताए जाते हैं और वह रूस, अमरीका के बाद तीसरा सबसे बड़ा शस्त्रागार है। हम रूस और चीन का उल्लेख इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देश ईरान के 'अभिन्न मित्र' हैं और युद्ध के दौरान हथियारों, मिसाइलों, ड्रोन, वायु रक्षा प्रणालियां, सेटेलाइट रणनीतिक तस्वीरें आदि ईरान को मुहैया कराते रहे हैं।

कुछ अलग

उम्र के अनुसार थाली

उम्र केवल कैलेंडर में बदलता हुआ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि इसके साथ शरीर की जरूरतें भी बदलती हैं। उम्र बढने के साथ शरीर में कई बदलाव धीरे-धीरे आते हैं और इन बदलावों के साथ खानपान में बदलाव आवश्यक हो जाता है। उम्र बढने के साथ शरीर की पाचन क्रिया और मेटाबॉलिज्म धीमी हो जाती है तथा मांसपेशियों और हड्डियों की स्थिति में भी बदलाव आने लगता है। इसके अलावा शरीर की ऊर्जा जरूरत भी कम होने लगती है। इसलिए उम्र बढने के साथ भोजन की थाली में भी बदलाव जरूरी है। आमतौर पर आजकल 40 वर्ष की उम्र तक पहुंचते ही ये मान लिया जाता है कि अब बीमारियां लगने का समय आ गया है, लेकिन ये एक गलत धारणा है। असलियत में यह एक ऐसा पड़ाव है जिसमें यदि व्यक्ति अपने खानपान और जीवनशैली को लेकर थोड़ा अधिक सजग हो जाए, तो आने वाले वर्षों के स्वास्थ्य की मजबूत नींव रख सकता है। भोजन में जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करना, नमक-चीनी और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को सीमित करना तथा नियमित शारीरिक गतिविधि को जीवन का हिस्सा बनाना इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम हैं। उम्र बढने के साथ शरीर में कई बदलाव धीरे-धीरे आते हैं। चयापचय की गति में बदलाव, मांसपेशियों को बनाए रखने की चुनौती, हड्डियों के स्वास्थ्य की चिंता और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ता जोखिम खानपान को लेकर अधिक सजग रहने का संकेत देता है। खासकर 40 वर्ष की उम्र के बाद यह समझना जरूरी हो जाता है कि जो भोजन 20 या 30 की उम्र में आसानी से पच जाता था और शरीर की जरूरतें पूरी करता था, वही भोजन बढ़ती उम्र में उसी मात्रा और तरीके से लेना हमेशा उचित नहीं हो सकता।

धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी। धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा—धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं। हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन

व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों। इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है। सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यहाँ संविधान की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग धर्म, संप्रदाय, भाषाएँ और परंपराएँ साथ-साथ रहती हैं। हमारा सामाजिक जीवन किसी एक धार्मिक ग्रंथ के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्था का अधिकार है, लेकिन साथ ही दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का सम्मान करना भी आवश्यक है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और आलोचनात्मक चिंतन के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। किसी को अपनी आस्था रखने से रोका नहीं जाना चाहिए और किसी को अपनी आस्था के नाम पर दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती। एक और चुनौती है—धार्मिक ग्रंथों की मनमानी व्याख्या। कई बार मूल पुस्तक से अधिक प्रभाव उसकी व्याख्या करने वालों का होता है। एक ही कथन की अलग-अलग विद्वान अलग व्याख्या करते हैं। कोई उसे प्रतीकात्मक मानता है, कोई ऐतिहासिक, कोई आध्यात्मिक और कोई शाब्दिक। ऐसे में यह कहना कि केवल एक व्याख्या ही अंतिम सत्य है, बौद्धिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। समाज में धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य भी केवल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति क्या माने, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह क्यों माने। यदि बच्चे प्रश्न पूछेंगे तो उनकी आस्था समाप्त नहीं होगी; बल्कि संभव है कि उनकी समझ अधिक गहरी हो जाए। जिस विश्वास को प्रश्नों से डर लगता है, वह विश्वास कमजोर हो सकता है; लेकिन जो विश्वास प्रश्नों का सामना कर सकता है, वह अधिक परिपक्व और मजबूत बनता है। आज डिजिटल युग में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया पर धार्मिक पुस्तकों के नाम पर आधे-अधूरे उद्धरण, गलत अनुवाद और संदर्भ से काटे गए कथन तेजी से फैलते हैं। लोग कई बार मूल ग्रंथ देखे बिना ही किसी वायरल पोस्ट को सत्य मान लेते हैं। इससे धार्मिक विवाद पैदा होते हैं और सामाजिक तनाव बढ़ता है। इसलिए किसी कथन पर आपत्ति करने से पहले यह देखना आवश्यक है कि वह वास्तव में मूल ग्रंथ में है भी या नहीं, उसका सही अनुवाद क्या है और उसके आगे-पीछे का संदर्भ क्या है। आलोचना करने वाले व्यक्ति की भी जिम्मेदारी है। यदि वह किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन पर सवाल उठा रहा है तो उसे प्रमाण, संदर्भ और तर्क के साथ बात रखनी चाहिए। जानबूझकर गलत उद्धरण देना, किसी धर्म के अनुयायियों को अपमानित करना या धार्मिक भावनाओं को भड़काना आलोचनात्मक चिंतन नहीं है। वह केवल विवाद पैदा करना है। इसी प्रकार धार्मिक विद्वानों की भी जिम्मेदारी है कि वे आलोचना को शत्रुता न समझें। समाज बदलता है, भाषा बदलती है और प्रश्न भी बदलते हैं। यदि कोई पुरानी व्याख्या आज के संदर्भ में समस्या पैदा करती है तो उस पर पुनर्विचार करना धर्म की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का संकेत हो सकता है। धार्मिक परंपराओं में स्वयं आत्ममंथन की लंबी परंपरा रही है। संतों, दार्शनिकों और सुधारकों ने समय-समय पर रूढ़ियों पर प्रश्न उठाए। उन्होंने समाज को यह समझाने का प्रयास किया कि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को जोड़ना, नैतिक बनाना और उसके भीतर करुणा पैदा करना है, न कि मनुष्य को मनुष्य से अलग करना। इस संदर्भ में हमें एक व्यापक सिद्धांत अपनाना चाहिए—जो बात मानवता, करुणा, सत्य, न्याय और समानता को मजबूत करती है, उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं होना चाहिए; और जो बात इन मूल्यों के विपरीत दिखाई दे, उस पर प्रश्न उठाने से डरना भी नहीं चाहिए। यह दृष्टिकोण किसी एक धर्म तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि हम किसी एक धार्मिक परंपरा की पुस्तकों में लिखी बातों पर सवाल उठाने को स्वतंत्रता मानते हैं, तो यही स्वतंत्रता दूसरी धार्मिक परंपराओं के मामले में भी लागू होनी चाहिए।

धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म–विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी।

देश दुनिया से

लोकतंत्र में शैक्षणिक आजादी की अहमियत

जब मैंने हालिया वी-डेम एकेडमिक फ्रीडम इंडेक्स (शैक्षणिक स्वतंत्रता सूचकांक) को देखा, तो मुझे झटका तो लगा, लेकिन कोई ज्यादा हैरानी भी नहीं हुई। झटका इसलिए लगा कि शैक्षणिक स्वतंत्रता के मामले में 179 देशों में भारत का स्थान निचले 10-20 प्रतिशत देशों में है। मेरा दुख और बेचैनी इसलिए और बढ़ गई कि 1990 के बाद से भारत की स्थिति अब तक की सबसे खराब है, यहां तक कि 1975-1977 के आपातकाल के दौर से भी नीचे है। तथापि, दो कारणों से मुझे हैरानी नहीं होती। पहला, मुझे लगता है कि हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक स्वतंत्रता की भावना की उम्मीद करना बहुत भोलापन होगा, खासकर ऐसे समय में जब राजनीतिक-सांस्कृतिक व्यवस्था, अपनी कथित दकियानूसी और संभावित रूप से तानाशाही वाली प्रकृति के कारण, स्वतंत्र सोच के प्रकाश से असहज बनी हुई हो। दरअसल, ताकत का विरोधाभास यही है: आप जितने अधिक शक्तिशाली होते हैं, उतने ही अधिक डरपोक भी होते जाते हैं। यह असहमति का डर है; यह एक वैकल्पिक नज़रिए का डर है; और यह आलोचनात्मक सोच का डर है जो शक्तिशाली सत्ताधारी शासन, या उसके 'सर्वोच्च' नेता की सावधानीपूर्वक बनाई गई भव्य छवि को बिगाड़ सकती है। यह भय संक्रामक है। जहां एक ओर यह उस होनहार प्रोफेसर से डरता है जो अपनी पढ़ाई और लेखन के ज़रिए पितृसत्तात्मक समाज, महिलाओं के प्रति नफ़रत और अति-पुरुषवादी धार्मिक राष्ट्रवाद पर सवाल उठाता है, वहीं दूसरी ओर यह 19 साल के कॉलेज छात्र को भी नहीं बख्शता, मसलन, जो राजसत्ता द्वारा फैलाई धारणा

से परे हटकर उमर खालिद की प्रतिभा को समझना चाहता है, या स्टेन स्वामी और प्रो. जी.एन. साईबाबा जैसे लोगों के संघर्षों और उपलब्धियों के बारे में जानना चाहता है। वहीं इस डर की तीव्रता की कल्पना कीजिए- जिस तरह हमारे राजनीतिक तौर पर नियुक्त कुछ कुलपति सत्ताधारी शासन को खुश करने का कोई मौका नहीं छोड़ते, और इस तरह विश्वविद्यालय के उस मूल विचार को ही कमज़ोर कर देते हैं जो कई ज्ञान-परंपराओं के मिलन का केंद्र होता है। तो क्या हैरानी कि बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में, एक अन्य प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति ने कुछ जाने-माने समाज-वैज्ञानिकों का उपहास करने में कोई हिचकिचाहट महसूस नहीं की, क्योंकि उन्होंने बताए जा रहे 'तथ्यों' के क्रम को उलट-पलट दिया था? शायद, भारतीय ज्ञान प्रणाली की श्रेष्ठता में उनके अटूट विश्वास ने ही उन्हें आधुनिक नारीवादियों के समूह को 'सुधारने' के लिए प्रेरित किया '! संदेश साफ़ है। 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' के नाम पर होने वाली हर चीज़ का महिमामंडन करें, और आलोचनात्मक सोच की भावना को कार्ल मार्क्स, ज्यां-पॉल सार्त्र और मिशेल फूको जैसे लोगों से उधार लिया गया महज़ एक 'पश्चिमी' विचार बताकर कमतर आंकें! दूसरी बात, यह अहसास होना भी उतना ही ज़रूरी है कि वे चतुर शिक्षाविद् जो अक्सर 'मूल्य-तटस्थता' के नाम पर अपनी ज़िम्मेदारियों से बचते हैं और चुप रहना पसंद करते हैं, वे भी कम ज़िम्मेदार नहीं हैं। वे भी अकादमिक स्वतंत्रता की भावना को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्हें कब समझ आएगा कि 'तटस्थता' की यह बात महज़ एक भ्रम है? भ्रामक प्रचार मशीनरी के इस दौर में, हम अज्ञानता को हथियार बनते देख रहे हैं। हम ज़बरदस्ती वाले राष्ट्रवाद का बदसूरत रूप देख रहे हैं; सार्वजनिक जीवन में शालीनता और बातचीत की संस्कृति का लगातार पतन होता हम अनुभव कर रहे हैं। ऐसे हालात में कोई 'तटस्थ' कैसे रह सकता है? असल में, यह तथाकथित 'तटस्थता' अनिवार्य रूप से यथास्थिति को मंजूरी देने जैसी है। अगर आप 'तटस्थ' और चुप रहते हैं, जबकि आपके साथी अपने किसी लेक्चर और लेखन की वजह से परेशान, अपमानित और निलंबित किए जाते हैं, तो आप न सिर्फ़ एक शिक्षाविद् के तौर पर नाकाम हो जाते हैं, बल्कि एक नागरिक के तौर पर भी विफल हो रहे होते हैं; और आख़िरकार, आप उन्हीं ताक़तों को मज़बूत करते हैं जिन्हें स्वतंत्र जांच-पड़ताल की भावना से नफ़रत है। यह अच्छा होगा अगर भौतिकी और रसायन शास्त्र के प्रोफ़ेसर भी अपनी 'मूल्य-तटस्थ' और सुरक्षित लैब से बाहर निकलें और यह समझें कि अकादमिक स्वतंत्रता के बिना विज्ञान भी तरक्की नहीं कर सकता। इसे स्वीकार करना होगा। अकादमिक आज़ादी खत्म होने से पूरे देश के सांस्कृतिक ताने-बाने को भारी नुकसान होगा। अगर हम बहस करने, संवाद और आज़ाद सोच-विचार की संस्कृति खोते रहे, तो हमारा लोकतंत्र एक तरह से सिर्फ़ चुनावों के ज़रिए चलने वाली तानाशाही बनकर रह सकता है। लोकतंत्र का भविष्य लोगों की सोचने और संसद में भेजे गए नेताओं से सवाल पूछने की क्षमता पर निर्भर करता है। और यह तभी हो सकता है जब हमारे स्कूल और विश्वविद्यालय ऐसे नागरिक तैयार करें जो बौद्धिक रूप से जागरूक हों और संवाद में यकीन रखते हों। असल में, अब यह समझने का समय आ गया है कि विचार शक्ति विहीन व्यक्ति और एक जागरूक नागरिक के बीच बड़ा फ़र्क होता है। वह जो आत्म-मुग्धता या सत्ता के अहंकार पर सवाल उठाने वाला और ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से विनम्रता, जवाबदेही और दूसरों की बात को सहानुभूति से सुनने की मांग करे। अगर हमारे शिक्षण संस्थान सिर्फ़ मशीनी, डरे हुए या आज्ञाकारी नागरिक तैयार करेंगे, तो लोकतंत्र फल-फूल नहीं पाएगा। चहुं ओर फैली गिरावट के बीच निराशावाद के जाल में फंसना आसान है।

आप का नज़रिया

अस्पताल में खौफ

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है। ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए। तैनात कर्मचारियों की कारगुजारियों-भूमिकाओं का सत्यापन किया जाना चाहिए। अस्पतालों में सीसीटीवी कवरेज का दायरा विस्तृत व मजबूत किया जाना चाहिए।

अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है।

दृष्टि कोण

दिमागी नक्सल को लेकर नई बहस

पिछले दिनों पंद्रह अगस्त के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में से नक्सल आतंक को समाप्त कर दिया गया है, लेकिन कुछ दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं। इसको लेकर बहुत हो हल्ला हुआ। कुछ लोग बहुत ज्यादा गुस्से में आ गए। लेकिन गुस्से में आने वालों को एक ही तराजू पर नहीं तोला जा सकता। उनमें से कुछ तो ऐसे हैं जो सचमुच ही दिमागी नक्सलवादी हैं। वे अभी तक चुपचाप अपना काम कर रहे थे। उनके इस 'चुपचाप काम' का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा था, लेकिन इन छिपे दिमागी नक्सलवादियों की किसी को भनक तक नहीं लग रही थी। जैसे कोई शातिर चोर अचानक चोरी करता हुआ पकड़ा जाए तो वह समय की नजाकत को भांप कर राबिनहुड बनने की कोशिश करता है। इस प्रथम कैटेगरी में पी. चिदंबरम आते हैं। दूसरी कैटेगरी ऐसे लोगों की है जिसको न नक्सलवाद से कुछ लेना-देना है और न ही उनका इससे कुछ लेना-देना है। क्योंकि मोदी ने कहा है कि कुछ छिपे हुए दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं, इससे उन्होंने अंदाजा लगा लिया कि क्योंकि मोदी अपने विरोधी दल वालों को तरह तरह से उकसाते हैं, इसलिए जरूर ये दिमागी नक्सल इंडी गठबंधन में होंगे। अब इंडी गठबंधन में उनको वह स्थान नहीं मिल रहा जो पहले मिला करता था। ऐसे लोगों को लगा कि इंडी गठबंधन में अपनी खोई हैसियत दोबारा पाने का यह सुनहरी मौका है। उनको लगा देश की जनता यह मान लेगी कि मोदी से जो विरोधी नेता लड़ सकता है, वह वही है जो इस वक्त ज्यादा चिल्लाएगा कि वह दिमागी नक्सल है। इस कैटेगरी में दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके अरविंद केजरीवाल आते हैं। अभी नरेंद्र मोदी का लाल किला का संबोधन शायद पूरा भी नहीं हुआ था कि केजरीवाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह ही सबसे बड़ा दिमागी नक्सलवादी है। केजरीवाल को लगा कि राहुल गांधी जब भी भारत में आते हैं, तो चीख चिल्ला कर बताना शुरू कर देते हैं कि विरोधी पक्ष का मैं ही नेता हूं। मोदी मुझसे डरते हैं। इस प्रकार लड़ाई मोदी बनाम राहुल बनती है। यह देखकर

केजरीवाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह सबसे बड़े दिमागी नक्सलवादी हैं। वैसे भी केजरीवाल ने अपनी राजनीति की शुरुआत ही इस मंत्र से की थी। वे वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़े थे। दिमागी नक्सल के लिए भी दिमाग चाहिए। यह सत्र बहुत से लोग अपने आप को दिमागी नक्सल कहने की हड़बड़ी में भूल ही गए। एक तीसरी श्रेणी भी मंच पर उतरी। उसने भी दावा किया है कि वह दिमागी नक्सल है। उस कैटेगरी में कश्मीर घाटी की महबूबा मुफ्ती हैं। अचानक न जाने उसको क्या सूझी कि अरविंद केजरीवाल को चिल्लाते देख कर महबूबा मुफ्ती ने भी मुंडेर पर आकर चिल्लाना शुरू कर दिया कि मुझे पहचानो, मैं भी दिमागी नक्सल ही हूं। लेकिन महबूबा मुफ्ती भूल गईं कि इस्लाम में नक्सलवादी पैदा नहीं होते, बल्कि वहां वे नकाब में नमूदार होते हैं। इसलिए महबूबा मुफ्ती के मामले पर जाने से पहले यह जान लेना जरूरी हो गया है कि आखिर दिमागी नक्सलवादी का अर्थ क्या है? अपने वक्त में एक यहूदी कार्ल मार्क्स ने बहस चलाई थी कि संसार को बदलने के लिए, उसमें आम लोगों को शामिल करने और उनकी राय को समझने बूझने की जरूरत नहीं है। संसार को बदलने का, सिस्टम को बदलने का निर्णय चंद गिने चुने लोग ही करते हैं। यह जरूरी तो नहीं 'संसार बदल देने' के उनके इस निर्णय से लोग सहमत ही हों। इसका उत्तर मिल चुका था कि उनकी राय की जरूरत ही नहीं है। लेकिन यह भी तो हो सकता है कि लोग उनके इस प्रयोग का विरोध ही शुरू कर दें। इसका उत्तर था कि परिवर्तन बंदूक से आता है।

टेनिस प्रीमियर लीग का आठवां सत्र 8 से 13 दिसंबर तक, हैदराबाद करेगा मेजबानी

हैदराबाद

टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का आठवां सत्र 8 से 13 दिसंबर 2026 तक हैदराबाद के एलबी टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आठ फ्रेंचाइजी टीमों के बीच होने वाली इस लीग में रोमांचक 25 अंकों के प्रारूप में मुकाबले खेले जाएंगे।

अखिल भारतीय टेनिस संघ के तत्वावधान और तेलंगाना सरकार के सहयोग से होने वाले टीपीएल के आठवें सत्र में देश-विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ भारत के प्रमुख टेनिस सितारे भी हिस्सा लेंगे। लीग के सभी मुकाबलों का सीधा प्रसारण जियोहाटस्टार पर किया जाएगा।

आठ फ्रेंचाइजी टीमों के बीच मुकाबला

छह दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में जीएस दिल्ली एसेस, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, लखनऊ ब्लेजर्स, गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स, गुजरात पैंथर्स, राजस्थान रेंजर्स, कोलकाता थंडर ब्लेड्स और मुंबई रायल्स खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

टीपीएल के 25 अंकों के प्रारूप में प्रत्येक अंक महत्वपूर्ण होता है। हैदराबाद में आयोजन के साथ लीग नए शहर और नए दर्शकों तक पहुंच बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाएगी।

लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा भी रहेंगी मौजूद

टीपीएल के आठवें सत्र में टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा की मौजूदगी भी रहेगी। बालीवुड कलाकार और टीम की सह-मालिक रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे बहल भी अपनी-अपनी टीमों का समर्थन करती नजर आएंगी।

लीग के मुताबिक, टीपीएल ऐप देशभर की 400 से अधिक संबद्ध टेनिस अकादमियों को जोड़ रहा है। अहमदाबाद में सातवें सत्र की सफलता के बाद अब हैदराबाद में आयोजन से लीग के राष्ट्रीय विस्तार को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

किआ इंडिया बनी विशेष साझेदार

आठवें सत्र में किआ इंडिया विशेष साझेदार के रूप में टीपीएल से जुड़ी है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा कि हैदराबाद में विश्वस्तरीय टेनिस को पहली बार ले जाना और किआ इंडिया के साथ साझेदारी इस सत्र को लीग के लिए महत्वपूर्ण अध्याय बनाता है।

सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा कि हर सत्र में टीपीएल नए शहरों और नए दर्शकों तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है और हैदराबाद इस यात्रा में अगला बड़ा कदम है। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) अतुल सूद ने कहा कि हैदराबाद का खेलप्रेमी दर्शक वर्ग लीग को नया मंच देगा और कंपनी भारत में टेनिस के प्रति अपनी वैश्विक प्रतिबद्धता को और मजबूत करना चाहती है।

तेलंगाना के नगर प्रशासन एवं शहरी विकास और खेल विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने कहा कि हैदराबाद प्रमुख खेल लीगों की मेजबानी के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि टीपीएल का आयोजन तेलंगाना में टेनिस के विकास और हैदराबाद को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मोहित का दिल का दौरा पड़ने से निधन

जिंद। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मोहित का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। मोहित हरियाणा के जिंद जिले के नंदगढ़ गांव से निकले हैं। उनके असामयिक निधन से परिवार ही नहीं गांव और कबड्डी जगत भी शोक में डूब गया है। मोहित ने हाल ही में अपनी चोट की सर्जरी भी करायी थी जिससे उबरकर वह वापसी की तैयारी कर रहे थे बचपन से ही मोहित ने गांव के पूर्व पहलवान प्रकाश के मार्गदर्शन में स्टेडियम में अभ्यास करना शुरू किया था। खेल के प्रति उनका जुनून इतना गहरा था कि कम उम्र से ही पढ़ाई और रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के साथ-साथ कबड्डी का भी अभ्यास किया करते थे। अपने शानदार प्रदर्शन से वह वह एक बेहतरीन रेडर के रूप में टीम में जगह बनाने में सफल रहे। वह अपनी शानदार रेडिंग और मैच में दबाव की स्थिति में तत्काल फैसले लेने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने हरियाणा और पंजाब के कई बड़े सर्कल कबड्डी टूर्नामेंटों में बेस्ट रेडर का खिताब भी जीता था। उनकी पहचान एक बेहतरीन रेडर के रूप में उभरकर सामने आई। स्थानीय और बड़े आयोजनों में उनकी रेड्स देखने लायक होती थीं और दर्शक उनकी कलात्मकता के कायल थे। मोहित ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई। दुबई, कनाडा और इंग्लैंड जैसे देशों में भी उन्होंने कबड्डी खेली और कई ट्राफियां जीतकर देश और अपने गांव का नाम रोशन किया। गत दिवस बुधवार की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने से उनका असमय निधन हो गया, जिसने सभी को सदमे में डाल दिया है। मोहित अविवाहित थे और उनसे पहले उनके परिवार में कोई भी पेशेवर पहलवान या खिलाड़ी नहीं था। उन्होंने अपनी मेहनत से परिवार में खेल की एक नई विरासत की नींव रखी थी। उनके निधन से नंदगढ़ गांव ने न सिर्फ एक होनहार खिलाड़ी खोया है, बल्कि कबड्डी जगत ने भी एक उभरते सितारे को खो दिया है।

भारत को अपना दूसरा घर मानते हैं वाटसन

सिडनी। पूर्व आस्ट्रेलियाई आलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है कि भारत उनके लिए दूसरे घर की तरह है क्योंकि यहां उनके देश से भी ज्यादा प्यार मिला है। वाटसन ने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक आस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है पर इसके बाद भी भारत में उन्हें अधिक अपनापन और समर्थन मिला। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों की सराहना करते हुए कहा कि भारत में उनके प्रदर्शन को लेकर उन्हें कम परखा गया और अधिक प्रोत्साहित किया गया, जबकि आस्ट्रेलिया में खराब प्रदर्शन के दौरान उन्हें कड़ी आलोचन झेलनी पड़ती थी। वाटसन ने कहा, यह वास्तव में मेरे लिए दूसरे घर जैसा लगता है। मैं भाग्यशाली था कि मैंने लंबे समय तक आस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट खेला, हालांकि मुझे भारत में हमेशा ज्यादा अपनापन महसूस हुआ। वाटसन के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने से भी भारत से भारत से उनके रिश्ते गहरे हुए हैं। इस आलराउंडर नेसाल 2008 में शुरू हुई इस लीग को अपने करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया, जहाँ उन्हें भारतीय प्रशंसकों से लगातार प्यार और समर्थन मिला। आईपीएल के जरिये उन्होंने राजस्थान रायल्स, रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी प्रमुख टीमों के लिए खेला और अब वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ सहायक कोच के रूप में जुड़े हुए हैं।

जमशेदपुर एफसी के हटने से अब आईएसएल में उतरेंगी 13 टीमें : एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि जमशेदपुर एफसी के हटने के बाद अब इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2026-27 सत्र में कुल 13 क्लब ही शामिल रहेंगे। साथ ही कहा कि ये प्रतियोगिता होम-अवे आधार पर डबल राउंड-राबिन फार्मेट में खेली जाएगी। इस प्रारुप के तहत, सभी 13 टीमें लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ दो बार खेलेंगी। इसमें एक मुकाबला अपने घरेलू मैदान। वहीं दूसरा विरोधी टीम के मैदान पर खेला जाएगा। इससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा क्लबों के मुकाबले देखने के अधिक अवसर मिलेंगे। प्रत्येक क्लब के लीग चरण में कुल 24 मैच होंगे। क्लबों की संख्या के इस आधिकारिक निर्धारण से अब लीग से जुड़े व्यावसायिक समझौतों को अंतिम रूप देने और आगामी मैचों के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को गति मिलेगी। लीग में 13 क्लबों की संख्या रहने की सबसे बड़ी वजहों में से एक जमशेदपुर एफसी का लीग से बाहर होना है। क्लब ने पिछले महीने ही घोषणा की थी कि वह 2026-27 सीजन से इंडियन सुपर लीग में हिस्सा नहीं लेगा। जमशेदपुर एफसी का संचालन करने वाली टाटा स्टील के स्वामित्व वाली कंपनी जमशेदपुर फुटबाल एंड स्पोर्टिंग प्राइवेट लिमिटेड(ने इस अप्रत्याशित फैसले की पुष्टि की थी।

दलीप ट्राफी फाइनल अब बेंगलुरु की जगह चेन्नई में खेला जाएगा

अधिक से अधिक दर्शकों को मिलेगा मैच देखने का अवसर

मुम्बई

घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्राफी 2026-27 के फाइनल का मैच स्थल बदल दिया गया है। अब फाइनल बेंगलुरु के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) की जगह पर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि यह फैसला अधिक से अधिक क्रिकेट प्रेमियों को इस अहम मुकाबले को स्टेडियम में बैठकर देखने का अवसर प्रदान करने के लिए लिया गया है। ये खिताबी मुकाबला 6 से 10 सितंबर तक खेल जाएगा।

माना जा रहा है कि बोर्ड ने ये कदम घरेलू क्रिकेट को प्रशंसकों के करीब लाने के लिए उठाया है। इसका कारण ये है कि सीओईमुख्य रूप से प्रशिक्षण और विकास पर केंद्रित है और इसमें दर्शकों के बैठने की क्षमता सीमित है। वहीं विपरीत, चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम बड़े आयोजनों की मेजबानी करने और हजारों दर्शकों को समायोजित करने में सक्षम है। इस बदलाव से न केवल खिलाड़ियों को एक बड़े और अनुभवी मैदान पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, बल्कि प्रशंसकों को भी घरेलू क्रिकेट की भव्यता और उत्साह का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

फाइनल का स्थल बदल गया है पर टूर्नामेंट के अन्य मुकाबले अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही बेंगलुरु के सीओई में ही खेले जाएंगे। दलीप ट्राफी का यह सत्र 23 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें शुरुआती दिन पूर्वी क्षेत्र का सामना पूर्वोत्तर क्षेत्र से होगा, जबकि उत्तरी क्षेत्र की भिड़ंत पश्चिम क्षेत्र से होगी। यह आयोजन भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ा मंच है, इसमें युवा प्रतिभाएं अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं और अनुभवी खिलाड़ी भी अपना प्रभाव दिखाते है।

गौरतब है कि दलीप ट्राफी भारतीय क्रिकेट कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट है, जिसने दशकों से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार किया है। 2026-27 सत्र में यह टूर्नामेंट अपने पारंपरिक क्षेत्रीय प्रारूप में लौट आया है, जिसमें कुल छह टीमें भाग ले रही हैं। इन टीमों में मध्य क्षेत्र, दक्षिण क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र, उत्तरी क्षेत्र और पूर्वोत्तर क्षेत्र शामिल हैं। यह प्रारूप क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा की पहचान को बढ़ावा देता है, जो भारतीय क्रिकेट की नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्थल परिवर्तन को लेकर कहा, दलीप ट्राफी हमारे घरेलू कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट है। इसमें हमेशा उच्च स्तर का क्रिकेट देखने को मिलता है और हम चाहते हैं कि प्रशंसकों को फाइनल मुकाबला स्टेडियम में देखने का मौका मिले। सैकिया ने कहा, सीओई में दर्शकों की मौजूदगी को लेकर कुछ प्रतिबंध हैं। इसलिए हमें लगा कि फाइनल को ऐसे मैदान पर कराया जाना सही होगा, जहां प्रशंसक आकर इस मुकाबले का हिस्सा बन सकें। यह बयान बीसीसीआई की उस दूरदृष्टि को दर्शाता है, जिसमें खेल के साथ-साथ उसके दर्शकों को भी समान महत्व दिया जाता है।

प्रशंसकों तक पहुंच बढ़ाने और घरेलू क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के प्रसारण को भी विस्तार दिया है। दलीप ट्राफी के सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी, जिससे दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमी कहीं से भी इन मुकाबलों का आनंद ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त, एक क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिससे इन महत्वपूर्ण मैचों की पहुंच और भी व्यापक हो जाएगी। यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय घरेलू क्रिकेट का उत्साह और गुणवत्ता अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंच सके।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में लियोन को बाहर कर सकती है आस्ट्रेलिया, रेनशा की वापसी तय

मैकाय

आस्ट्रेलिया बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आफ स्पिनर नाथन लियोन को बाहर कर तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरने पर विचार कर रही है। वहीं, बल्लेबाज मैथ्यू रेनशा की टीम में वापसी तय हो गई है।

आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि अंतिम एकादश पर फैसला शनिवार को टास से पहले मैदानी परिस्थितियों का निरीक्षण करने के बाद लिया जाएगा। टीम प्रबंधन ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होने वाले पहले टेस्ट को देखते हुए स्काट बोलैंड को शामिल कर पूरी तरह तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरने पर विचार कर रहा है।

कमिंस की कप्तानी में फिट रहने पर लियोन को आस्ट्रेलिया ने कभी टेस्ट टीम से बाहर नहीं किया है। हालांकि, पिछले साल गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट में आस्ट्रेलिया दो बार बिना स्पिनर के सभी तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरा था।

रेनशा ने अपना आखिरी टेस्ट 2023 में भारत के खिलाफ खेला था। अब उनकी वापसी लगभग तय है। वह फिर से पारी की शुरुआत करते नजर आ सकते हैं। रेनशा ने 2016-17 में पाकिस्तान के खिलाफ 20 साल की उम्र में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शतक लगाया था।

क्वींसलैंड के इस बल्लेबाज ने मैकाय में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो शतक भी लगाए हैं। वह जेक वेदराल्ड की जगह टीम में आए हैं। वेदराल्ड को एक टेस्ट के बाद ही टीम से बाहर कर दिया गया है।

आस्ट्रेलिया टीम: पैट कमिंस (कप्तान), स्काट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मैथ्यू रेनशा, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

बांग्लादेश टीम: नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, मोमिनुल हक शोहराब, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीते हसन, जाकेर अली अनिक, ताइजुल इस्लाम, तस्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी, मुस्फिक हसन, शरीफुल इस्लाम।

अक्टूबर-नवंबर में श्रीलंका और इंग्लैंड की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) देश में अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के आयोजन के प्रयास कर रहा है। इसी के तहत ही पाकिस्तान टीम 9 अक्टूबर से 21 नवंबर तक अपने घर में श्रीलंका और इंग्लैंड की टीमें के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। पीसीबी इससे देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी और लोकप्रियता को बढ़ाना चाहता है। पीसीबी के अनुसार श्रीलंका की टीम 9 अक्टूबर को रावलपिंडी में करेगी, जहां वे पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में हिस्सा लेंगे। यह रोमांचक टी20 श्रृंखला 13 अक्टूबर तक चलेगी, जिससे प्रशंसकों को आक्रामक क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। इसके बाद इंग्लैंड की टीम भी इस कार्यक्रम में शामिल होगी। पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला का आयोजन 18 से 31 अक्टूबर तक रावलपिंडी और लाहौर में किया जाएगा। यह लगातार दूसरा साल होगा जब पाकिस्तान चैंपियंस ट्राफी 2025 से पहले अपने घर में एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी करेगा।

ब्रिटिश गायिका लारा राइट ने पाकिस्तान का राष्ट्रगान गाया, लोग हुए हैरान

हेडिंग्ले

यहां हेडिंग्ले में इंग्लैंड और मेहमान टीम पाकिस्तान के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के शुरु होने से पहले एक अनोखा नजारा देखा गया। ब्रिटिश गायिका लारा राइट ने हजारों दर्शकों के सामने पाक का राष्ट्रगान गाया। इसके लिए एस गायिक ने बीते छह महीने से तैयारी करते हुए उर्दू तक सीखी थी। परंपरागत रूप से क्रिकेट मैचों में राष्ट्रगान बजना एक सामान्य प्रक्रिया है पर लारा की प्रस्तुति और इसके लिए किये अभ्यास से सभी हैरान रह गये।

गौरतलब है कि लौरा के लिए ये कोई पहली बार है जब उन्होंने किसी दूसरे देश के राष्ट्रगान को इतनी लगन से सीखा हो। इससे पहले साल 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज के दौरान भी लारा राइट ने भारतीय राष्ट्रगान जन गण मन भी गाया था। उस समय भी उन्होंने बंगाली सीखी थी। लारा ने माना है कि भारतीय राष्ट्रगान गाते समय वह शायद सबसे ज्यादा घबराई हुई थीं। वह बताती हैं कि शास्त्रीय संगीत सीखते समय इटालियन और जर्मन जैसी भाषाओं की बुनियादी समझ तो दी जाती है, लेकिन राष्ट्रगान गाते वक्त आपका सामना कई अलग-अलग भाषाओं से होता है। भारतीय राष्ट्रगान के लिए उन्होंने उच्चारण और शब्दों के उतार-चढ़ाव को समझने और उनके अर्थ को जानने के लिए इसे बार-बार सुना और कई ऐसे लोगों के साथ समय बिताया जो इसे बोलते थे। लारा राइट एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार हैं, जो दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित आयोजनों में राष्ट्रगान गाने के लिए जानी जाती हैं। 15 साल की उम्र में उन्होंने कोरिसटर आफ द ईयर प्रतियोगिता जीती, जिसके बाद उन्होंने और लंदन के रायल कालेज आफ म्यूजिक से ओपेरा की पढ़ाई की। लारा शुरुआत से ही खेलों से जुड़ी रही हैं। वह इंग्लैंड रग्बी की पहली आधिकारिक एंथम सिंगर बनीं और उन्होंने ट्विकेनहैम, वेम्बली जैसे बड़े स्टेडियमों और रग्बी विश्व कप, एफए कप फाइनल, ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स और लंदन में एनएफएल मैचों जैसे कई प्रमुख खेल आयोजनों में भी भाग लिया। क्रिकेट से भी उनका जुड़ाव कम नहीं है। 2016 में, उन्होंने हीरोज नामक गीत बनाया, जो इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम का पहला आधिकारिक एंथम बना।

मानव सुथार से बोले पुजारा, आईपीएल के लिए अपनी शैली न बदलें, प्रबंधन इस गेंदबाज को टेस्ट के लिए बचाये

मुम्बई

दिग्गज टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने उभरते हुए स्पिन आलराउंडर मानव सुथार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे सीमित ओवरों के क्रिकेट खासकर आईपीएल को देखते हुए अपनी गेंदबाजी की मूल ताकत और शैली में बदलाव नहीं करना चाहिए। साथ ही कहा कि उसे टेस्ट के लिए बचाकर रखना चाहिए।

सुधार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में कुल 10 विकेट लिए थे। ये श्रीलंका की धरती पर किसी भारतीय गेंदबाज का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। वह श्रीलंका में एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले केवल तीसरे भारतीय गेंदबाज बने। उन्होंने विदेशी टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकार्ड भी अपने नाम किया, जो इससे पहले दिग्गज भारतीय स्पिनर बिशन सिंह बेदी के नाम था।

पुजारा ने कहा कि आजकल सभी युवा खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से छोटे फार्मेट और आईपीएल में खेलना चाहते हैं पर सुथार जैसे विशेष प्रतिभा वाले खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को भी सलाह दी है कि सुथार को टेस्ट क्रिकेट के लिए ही रखा जाये। पुजारा ने कहा, उसे बचाकर रखने करने की कोशिश करें। हमने पहले भी इस बारे में बात की है कि युवा खिलाड़ी छोटे प्रारुप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत को उसे टेस्ट प्रारुप के लिए बचाकर रखना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सुथार को आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है तो उन्हें जरूर खेलना चाहिए, लेकिन अपनी ताकत से समझौता नहीं करना चाहिए।

गौरतलब है कि मानव सुथार को गुजरात टाइटंस ने 2025 की मेगा नीलामी में उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये पर खरीदा था। उन्होंने 2024 में आईपीएल में डेब्यू किया था पर सफल नहीं रहे। साल 2025 के सीजन में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जबकि 2026 के सीजन में चार मैच खेलने के बाद उन्होंने तीन पारियों में गेंदबाजी की, जिसमें उन्होंने 34 के औसत और 11.33 की इकानमी रेट से केवल 2 विकेट लिए। उनका पहला विकेट आरसीबी के रजत पाटीदार का था और बाद में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के डेवाल्ड ब्रेविस को भी आउट किया। हालांकि, पंजाब किंग्स के सूर्यांश शेडगे के खिलाफ एक ओवर में 27 रन खर्च करने के बाद उन्हें उस सीजन में दोबारा मौका नहीं मिला। पुजारा की यह सलाह सुथार के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें सफेद गेंद के क्रिकेट में अपनी उपयोगिता साबित करने के लिए अपनी मूल शैली से हटना पड़ सकता है।

गाले टेस्ट में सुथार के शानदार प्रदर्शन के बीच, रविंद्र जडेजा की भूमिका एक सहयोगी गेंदबाज जैसी दिखी, और कुलदीप यादव को भी ज्यादा सफलता नहीं मिली। ऐसे में सुथार ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह को मजबूत कर लिया है। अब सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह सफेद गेंद के क्रिकेट में भी अपनी उपयोगिता साबित करें।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने भी लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली

अमेरिकी बान्ड मार्केट में आई गिरावट का असर दुनिया भर के बुलियन मार्केट में नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने जोरदार छलांग लगाई है। सोना और चांदी के भाव में आई वैश्विक तेजी का असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 3,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है।

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स वाहनों की कीमतों में 25 हजार तक का करेगी इजाफा, नई कीमतें एक सितंबर से लागू

नई दिल्ली। मारुति, हुंडई के बाद टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) ने अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। वाहन विनिर्माता टीएमपीवी अपने सभी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दाम में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। नई कीमतें एक सितंबर 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि टीएमपीवी एक सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने इसकी वजह बढ़ती लागत और महंगाई के दबाव को बताया है। यह सभी खंडों के आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और ईवी की कीमतों में बढ़ोतरी माडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा, बढ़ती लागत और महंगाई के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए कीमतों में यह बदलाव किया जा रहा है। यह बढ़ोतरी विभिन्न माडलों और वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टीएमपीवी अब भी इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही है, लेकिन संशोधन के जरिये इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि टीएमपीवी के वाहन खंड में छोटी कार टियागो से लेकर प्रीमियम एसयूवी सफारी तथा हैरियर ईवी मुख्य रूप से शामिल है। इन वाहनों की कीमत लगभग 4.7 लाख रुपये से 31 लाख रुपये के बीच है।

पीएनबी की चेतावनी, निष्क्रिय खाते बंद होने का खतरा, तुरंत करें केवायसी अपडेट

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने लाखों ग्राहकों के लिए एक अहम चेतावनी जारी की है। बैंक ने ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है जिनमें लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनका बैलेंस शून्य है। ग्राहकों को सितंबर तक कार्रवाई करने की सलाह दी गई है, ताकि उनके खाते बंद होने से बच सकें। पीएनबी के अनुसार, ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले तीन साल से कोई लेनदेन दर्ज नहीं हुआ है और खाते में कोई राशि भी नहीं है, उन्हें बंद किया जा सकता है। बैंक ने यह कदम खातों के गलत इस्तेमाल और उनसे जुड़े जोखिमों को रोकने के लिए उठाया है। पीएनबी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर भी यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है, जिसमें खाताधारकों को सचेत किया गया है। निष्क्रिय खाताधारक अपने खाते को बंद होने से बचाने के लिए सितंबर तक संबंधित बैंक शाखा में अपने केवायसी दस्तावेज जमा कराकर इसे दोबारा सक्रिय करवा सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राहक बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे। बैंक ने यह भी सलाह दी है कि कोई भी ग्राहक अपना खाता बंद करने का निर्णय लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि यह पेंशन, सब्सिडी, लोन, बीमा या किसी अन्य महत्वपूर्ण भुगतान से जुड़ा न हो।

सेबी की बड़ी कार्रवाई, दो कंपनियों पर लगा प्रतिबंध, गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे जब्त करने का निर्देश

मुंबई। बाजार नियामक सेबी ने सेंसेक्स डेरिवेटिव्स अनुबंधों की साप्ताहिक अंतिम तिथि पर हुई कीमतों की असामान्य हेराफेरी के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। एक विस्तृत जांच के बाद, सेबी ने जेपी मार्गन की मारीशस स्थित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) कापटाल मारीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टाक ब्रोकिंग को बाजार में कीमतों की कृत्रिम छेड़छाड़ का दोषी पाया है। नियामक ने इन कंपनियों को शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उनसे गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे को जब्त करने का आदेश दिया है। यह मामला 13 अगस्त को क्लोजिंग आक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में हुई कीमतों की अचानक उछाल से जुड़ा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ आगमान्ट इंटरप्राइजेज का आईपीओ, 31 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

देश की प्रमुख इंटेग्रेटेड गोल्ड एंड सिल्वर प्लेटफार्म मैनेजमेंट कंपनी आगमान्ट इंटरप्राइजेज लिमिटेड का 825 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 28 अगस्त को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 31 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लान्चिंग के बाद दोपहर एक बजे तक ये आईपीओ 1.22 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 750 रुपये से लेकर 788 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 19 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 19 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,972 रुपये का निवेश करना होगा।

इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,636 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 247 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,04,69,541 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 620 करोड़ रुपये के 78,68,020 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 205 करोड़ रुपये के 26,01,521 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.76 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.83 प्रतिशत हिस्सा रखा गया है। इसके अलावा नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.93 प्रतिशत हिस्सा और एंप्लायीज के लिए 0.48 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

आगमान्ट इंटरप्राइजेज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 75.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 227.19 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 348.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 34,948.90 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 66,252.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 94,282.47 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार घटता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 54.86 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 21.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ कम होकर 12.67 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी इस अवधि में लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 180.39 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 398.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 865.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 204.87 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 422.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ 926.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 103.92 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 304.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 385.95 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

बंगाल का औद्योगिक सपना, दशकों का सफर और अनसुलझी तस्वीर

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल ने पिछले तीन दशकों में अपनी औद्योगिक और आर्थिक छवि को बदलने के लिए एक लंबा सफर तय किया है। 1994 में वाम मोर्चा सरकार द्वारा निजी निवेश के द्वार खोलने से लेकर तृणमूल कांग्रेस के आईटी हब के प्रयासों तक, राज्य ने निवेश आकर्षित करने और अपनी उग्र मजदूर संघों वाली छवि से उबरने के लिए लगातार प्रयास किए हैं।

हालांकि, चमकदार शहरी विकास के बावजूद, राज्य की औद्योगिक तस्वीर अभी भी कई चुनौतियों से घिरी हुई है। सितंबर 1994 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने मुख्यमंत्री ज्योति बसु के नेतृत्व में, निजी निवेश के लिए द्वार खोलते हुए एक नई औद्योगिक नीति की घोषणा की। लाइसेंस राज के ढहने के बाद, राज्य ने चुनिंदा क्षेत्रों में नई तकनीक और निवेश का स्वागत किया।

हालांकि, अप्रैल 2000 में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की शुरुआत हुई, लेकिन अनेक

कोलकाता की चमकीली शहरी छवि, औद्योगिक मोर्चे पर स्थायी बदलाव की चुनौती

समझौता ज्ञापन (एमओयू) ठोस निवेश या रोजगार में तब्दील नहीं हो पाए। तब तक राज्य की पहचान उग्र मजदूर संघों और औद्योगिक अशांति वाले प्रदेश के रूप में स्थापित हो चुकी थी, जिससे निवेशक दूर भाग रहे थे। नवंबर 2000 में बुद्धदेव भट्टाचार्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद स्थिति में सुधार आना शुरू हुआ।

उनके अभी करो वाले दृष्टिकोण ने औद्योगीकरण को गति दी। कोलकाता में साल्ट लेक और राजारहाट जैसे क्षेत्रों में आईटी कंपनियों के परिसर, भव्य शापिंग माल और रेस्तरां तेजी से विकसित हुए। इन आधुनिक केंद्रों ने शहर के पुराने औपनिवेशिक स्वरूप से हटकर एक नई व्यावसायिक पहचान गढ़ी, जो कांच और इस्पात के टावरों से चमक उठी।

एचडीएफसी बैंक ने विदेशी बान्ड से जुटाए 1.75 अरब डालर

नई दिल्ली। देश एवं निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने कारोबार को बढ़ाने के लिए विदेशी बान्ड जारी कर 1.75 अरब अमेरिकी डालर जुटाए हैं। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि गिफ्ट सिटी शाखा के जरिये 1.75 अरब अमेरिकी डालर के सीनियर अनसिक्योर्ड बान्ड जारी किए हैं। बैंक ने बताया कि उसने तीन साल में परिपक्व होने वाले 50 करोड़ अमेरिकी डालर के बान्ड 5.159 फीसदी की कूपन दर पर जारी किए हैं। वहीं, शेष 1.25 अरब यूएस डालर के पांच साल में परिपक्व होने वाले बान्ड पर कूपन दर 5.4 फीसदी है। एचडीएफसी बैंक ने बताया कि इन बान्ड को इंडिया आईएनएक्स (इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (आईएफएससी) लिमिटेड) और एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसई-आईएक्स) में सूचीबद्ध किया जाएगा। विदेशी बान्ड कर्ज जुटाने का साधन हैं, जिन्हें कोई कंपनी किसी दूसरे देश के बाजार से धन जुटाने के लिए जारी करती है। इन्हें संबंधित देश की स्थानीय मुद्रा या किसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा में जारी किया जा सकता है। भारतीय निवेशक उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत वैश्विक बाजारों में निवेश कर सकते हैं।

भारतीय प्राइवेट क्रेडिट बाजार गुलजार, रियल एस्टेट सबसे आगे

अगले 1-2 वर्षों में बाजार की मजबूती बरकरार रहने का अनुमान

नई दिल्ली

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार अगले एक से दो वर्षों में भी मजबूत बना रह सकता है। एच1 2026 में रियल एस्टेट सेक्टर ने इसमें अहम भूमिका निभाई, जबकि घरेलू निवेशकों ने वैश्विक फंड्स को पीछे छोड़ दिया। इस अवधि में करीब 3.5 अरब डालर का निवेश हुआ।

एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2026 की पहली छमाही (एच1 2026) में भारत के प्राइवेट क्रेडिट बाजार में उल्लेखनीय विस्तार हुआ, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू आर्थिक आधार और बेहतर बैंकिंग सेक्टर से प्रेरित था। इस दौरान कुल निवेश लगभग 3.5 अरब डालर रहा, जिसमें घरेलू फंड्स का दबदबा रहा। कुल डील वैल्यू में घरेलू खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 74 फीसदी रही, जबकि डील की संख्या में यह आंकड़ा 79 फीसदी रहा। सेक्टरवार विश्लेषण में रियल एस्टेट कुल प्राइवेट क्रेडिट डील वैल्यू के 35 फीसदी हिस्से के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद हेल्थकेयर (13 फीसदी) का स्थान रहा।

एक महत्वपूर्ण बदलाव फूड एंड बेवरेज (एफएंडबी) सेक्टर में देखा गया, जिसकी हिस्सेदारी एच 2 2025 में मात्र 1 फीसदी से

बढ़कर एच1 2026 में 12 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी भारतीय बैंकिंग सेक्टर की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति से भी प्रेरित है।

मार्च 2026 तक बैंकों का कैपिटल टू रिस्क-वेटेड एसेट्स रेश्यो 17.7 फीसदी और सीईटी1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा। वित्तीय वर्ष 2026 में सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.8 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.4 फीसदी रह गया, जो एसेट क्वालिटी में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है। सर्वे में शामिल 60 फीसदी प्रतिभागियों ने अगले 1-2 वर्षों के लिए भारतीय प्राइवेट क्रेडिट बाजार को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। हालांकि, बढ़ती प्रतिस्पर्धा एक चिंता का विषय बनी हुई है। रियल एस्टेट, हालांकि सबसे सक्रिय सेक्टर है, इसे डिफाल्ट के लिहाज से सबसे जोखिम भरा भी माना गया है। स्ट्रेस, कैपेक्स और विलय-अधिग्रहण फाइनेंसिंग इस बाजार की प्रमुख मांग बने हुए हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका में 10 साल की बान्ड यील्ड के 4.7 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाने का असर वाल स्ट्रीट के कारोबार पर साफ-साफ नजर आया। डाउ जान्स 700 अंक से अधिक फिसल गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 66.82 अंक यानी 0.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,641.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 263.92 अंक यानी एक प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,067.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,799.45 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 10,748.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत टूट कर 8,453.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 108.29 अंक यानी 0.42 प्रतिशत लुढ़क कर 25,983.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में और तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत फिसल कर 24,263 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 237.79 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 65,979 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स एक अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 3,902.72 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 207.51 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,906 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 51.37 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,903.95 अंक के स्तर पर आ गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,621.29 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत उछल कर 6,535.30 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 148.33 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की छलांग लगा कर 45,082.07 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की उछाल के साथ 5,679.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 22 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण सहित छह विकास कार्यों की शुरुआत

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेगम बाजार क्षेत्र में विकास कार्यों की नई पहल के तहत शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान भोलक्ष्मी मंदिर, जिसे धरती माता के नाम से भी जाना जाता है, के सामने चौराहे पर स्थापित शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।

भगत सिंह प्रतिमा के सौंदर्यीकरण कार्य पर 9 लाख रुपये की लागत आएगी।

इस कार्य के पूरा होने के बाद प्रतिमा परिसर को और अधिक सुंदर एवं आकर्षक स्वरूप मिलेगा।

इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ता, पूर्व पार्षदगण एवं सभी सम्माननीय अतिथिगण उपस्थित रहे। शहीद भगत सिंह जी के आदर्शों को नमन करते हुए क्षेत्र के विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ इन विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

छह स्थानों पर होंगे विकास कार्य

विकास कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम के तहत 21 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे से विभिन्न स्थानों पर कार्य प्रारंभ किए गए। कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार रहा-
-प्रशांता माता मंदिर, सामने ` 3.30 लाख रुपये।
-तुलजा भवानी होटल, जुम्मरत बाजार- 8.60 लाख रुपये।
-धरती माता मंदिर के पास शहीद भगत सिंह प्रतिमा ` 9 लाख ।
-एल.एम.जी. स्कूल- 13.50 लाख रुपये।
-हजारी भवन, हिंदी नगर के पास ` सीवरेज लाइन- 8 लाख रुपये।
-पटेल नगर सामुदायिक भवन `-9 लाख रुपये।

इन सभी विकास कार्यों की कुल लागत 51.40 लाख रुपये है।

इन विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण से क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थल को नया स्वरूप मिलेगा, वहीं सीवरेज लाइन, विद्यालय और सामुदायिक भवन से जुड़े कार्यों का लाभ स्थानीय नागरिकों को मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प दोहराया।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य श्रृंगार

सुबह से लगी श्रद्धालुओं की कतारें, महिलाओं ने विधि-विधान से किया पूजन

भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास कड़े सुरक्षा इंतजाम

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चारमीनार स्थित प्रसिद्ध भाग्यलक्ष्मी मंदिर में शुक्रवार को वरलक्ष्मी व्रत के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रावण मास के वरलक्ष्मी व्रत के मौके पर महिलाओं और श्रद्धालुओं ने सुबह से ही मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

वरलक्ष्मी व्रत के अवसर पर मंदिर में विशेष आरती और भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं और महिलाओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की ओर से कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए। श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित रखने तथा किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया।

वरलक्ष्मी व्रत के धार्मिक महत्व को देखते हुए बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और विशेष पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्ति और धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा।

अन्नदान के माध्यम से मानवता की सेवा का संदेश : अनिल धरशुवाले अग्रवाल

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया गया। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सेवा भावना के साथ अन्नदान करते हुए मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल धरशुवाले अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। अन्नदान केवल किसी व्यक्ति की भूख मिटाने का कार्य नहीं, बल्कि उसके प्रति संवेदना, अपनत्व और सम्मान की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब हर व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त है, ऐसे समय में जरूरतमंदों के लिए समय निकालकर उनकी सहायता करना अपने आप में बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नदान कर रहे हैं और सेवा को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को भी ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर जरूरतमंदों का सहारा बनना चाहिए।

कार्यक्रम में जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल और महेश गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

बीईएल में नराकास (उ), अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद – सिकंदराबाद के तत्वावधान में दिनांक 20.08.2026 , गुरुवार , को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, आई.ई. नाचारम, हैदराबाद कार्यालय में हिंदी अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। नगर स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से लगभग 50 कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

राजभाषा के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष अगस्त – सितंबर के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में विभिन्न हिंदी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस बार बीईएल में अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से प्रतियोगिता दो वर्गों में हिंदी भाषी और अन्य भाषी वर्ग में प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। न.रा.का.स.(उ) कोर समिति से डॉ सीएच अंबेडकर, श्री विश्वनाधम, श्री नरेंद्र नाथ उपस्थित रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं न्याय निर्णेता के रूप में श्री चिलुकूरि वेंकट सुब्बा राव, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, मेसर्स एनज-ीआरआई, एवं डॉ. सौरव कुमार, राजभाषा अधिकारी, मेसर्स आईआईसीटी, हैदराबाद इस कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

बीईएल कार्यालय से राजभाषा अधिकारी, श्री सुरेश कुमार एवं सह. राजभाषा अधिकारी श्री पिन्टु सिंह द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में दोनो वर्ग के प्रतिभागियों ने हिंदी मे बोलते हुए अपने जीवन के कुछ अविस्मरणीय स्मृतियों से सभी को अवगत कराया और सर्वश्रेष्ठ स्मृतियों को पुरस्कार प्राप्त हुए। राजभाषा के प्रचार प्रसार में एक नये पहल के रूप में यह नवोन्मेषी कार्यक्रम एक अत्यंत सफल प्रयास रहा जिसे उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने सराहना की और लाभान्वित हुए।

आर्य समाज सुल्तान बाजार में श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह का शुभारंभ

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आर्य समाज, महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार में श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह का शुभारंभ प्रथम सत्र में प्रातःकाल यजुर्वेद पारायण एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मा निर्मला योग भारती के निर्देशन में डॉ. मैत्रेयी शास्त्री एवं श्रीमती स्फूर्ति सहित ऋत्विजों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मेरठ से पधारे पंडित भूपेंद्र आर्य ने भजन एवं उपदेश के माध्यम से ङ्गओ3म्फ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओ3म् को वैदिक जीवन एवं आध्यात्मिक चेतना का आधार बताते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को वैदिक विचारधारा को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत आगे नोएडा से पधारे विश्वप्रसिद्ध वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. जैनेन्द्र कुमार द्वारा ओ3म् एवं वैदिक विचारधारा पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में वेदों के संदेश, वैदिक जीवन-पद्धति एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़े विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा।

आर्य समाज की ओर से सभी आर्य प्रेमी बंधुओं से विनम्र निवेदन किया गया है कि इस श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह में अपने परिवार एवं मित्रों के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित होकर वेद कथा एवं वैदिक ज्ञान का लाभ उठाएं तथा आध्यात्मिक एवं वैदिक विचारधारा से जुड़ें।

गीत चाँदनी की पूर्णिमा कवि गोष्ठी 28 को

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय, सक्रिय एवं दीर्घकाल से साहित्यिक गतिविधियों को समर्पित काव्य संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में प्रतिमास पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाली पूर्णिमा कवि गोष्ठी इस बार श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षा बंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026 को बेगम बाज़ार स्थित साधना आश्रम में सायं 5 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। गीत चाँदनी अपनी साहित्यिक यात्रा के 45वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और निरंतर हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के कवियों को एक साझा साहित्यिक मंच प्रदान कर रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह ने अपने परिवार के साथ मैसूर स्थित प्रसिद्ध मां चामुंडेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा मां चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस धार्मिक यात्रा के दौरान श्रीमती मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका सिंह, सूर्यांश, गायत्री एवं छवि उपस्थित रहे।

अष्टदिव्य महागणपति हवन की प्रचार सामग्री का हुआ लोकार्पण

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व विजय मित्रा मंडल द्वारा शास्त्रोक्त विधि से 51 नारियल अष्टदिव्य महागणपति हवन का भव्य आयोजन आगामी 20 सितम्बर को फीलखाना में किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

इस अवसर पर श्रृंग ऋषि भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महागणपति हवन की प्रचार सामग्री का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों तथा विश्व विजय मित्रा मंडल के सदस्यों ने सहभागिता की।

प्रचार सामग्री का लोकार्पण करते हुए सिखवाल प्रगति समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल, रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, रतनलाल ओझा, रामकरण व्यास, जुगल किशोर उपाध्याय, प्रेम व्यास एवं विश्व विजय मित्रा मंडल के सदस्यगण उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन मे कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पडेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोडा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिए

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग–दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा.दिन भर की भागम–दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगें, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरूरत नही पडेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम–धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन–देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच–पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाएगी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 22 अगस्त 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 11:38 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 02:50 तक
योग : विष्कुभ अहोरात्र
करण : तैतिल दोपहर 12:50 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 02:50 तक
सूर्योदय : 06:6, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है, चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

करीमनगर में महेश बैंक ने की संवाद सभा

करीमनगर, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश बैंक के नए निदेशक मण्डल द्वारा बैंक की हैदराबाद के बाहर स्थित सभी शाखाओं में ग्राहक संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के लिए निर्णय के अन्तर्गत चौथी ग्राहक संवाद सभा का आयोजन करीमनगर स्थित जे.एन. कन्वेंशन हॉल में किया गया । संवाद सभा के आयोजन के पीछे मूलभूत उद्देश्य बैंक के ग्राहकों के साथ संबंधों को गहरा करना, व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बैंक की सेवाओं से जोड़ना, चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स असोसिएशन के माध्यम से बैंक का व्यवसाय बढाना, स्थानीय समाज के भीतर महेश बैंक के प्रति विश्वास को पुनः स्थापित करना इत्यादि हैं ।

सभा में महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरलीमनोहर पलोड, निदेशक मण्डल सदस्य कविता तोष्णीवाल, दीपक बंग, कैलाश मंत्री, पवन लोया, जनरल मैनेजर (ऑपरेशंस) श्रीनिवास, जनरल मैनेजर (क्रेडिट) कमलकिशोर राठी, अमरनाथ, राजस्थानी सेवा समाज के मंत्री कमलकिशोर सोनी, माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य सत्यनारायण लाहोटी, राइस मिलर्स असोसिएशन के अध्यक्ष सुधाकर राव, फर्टीलाइजर असोसिएशन के जिला अध्यक्ष शशि लक्ष्मीनारायण, माइन्स असोसिशन के अध्यक्ष सेतु भास्कर, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स असोसीएशन के उपाक्ष्य सीए बी. अजय कुमार आदि ने भाग लिया।

सभा को सम्बोधित करते हुए बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि संवाद सभा – बैंक को अपने ग्राहकों से मिलने का, स्थानीय समाज से मिलने का, विभिन्न व्यापारिक संगठनों से बातचीत करने का एवं आपस में व्यापार बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है । संवाद सभाओं की एक प्रमुख बात यह है कि इन सभाओं ने बैंक को अपने सभी महत्वपूर्ण खातेदारों के, व्यापारी संगठनों, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट असोसिएशन एवं चैम्बर्स ऑफ कामर्स से साझेदारी बनाने का अवसर प्रदान किया है । उन्होंने कहा कि बैंक के यह प्रयास आने वाले दिनों में बैंक के व्यापार के विस्तार प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होंगे । उन्होंने बताया की बैंक न सिर्फ तेलंगाना एवं आन्ध्र प्रदेश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण दक्षिण भारत की अग्रणी सहकारी बैंक हैं । बैंक का वर्तमान में चार प्रदेशों में 45 शाखाओं के साथ कार्य कर रहा है और इसका कुल व्यापार 3150 करोड़ के लगभग हैं । बैंक अपने स्थापना काल से ही लाभ अर्जित कर लाभांश निरंतर अपने अंशधारकों को दे रही हैं । बैंक ग्राहक सेवा और अधिक प्रभावी एवं उन्नत बनाने के उद्देश्य से कोर बैंकिंग सोल्यूशंस खरीद रही है जिससे नेट बैंकिंग सेवाएँ और बेहतर हो पायेगी । बैंक वर्तमान में इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, आरटीजीएस पेयमेंट, यूपीआई ट्रैन्जैक्शंस आदि सेवाएँ अपने ग्राहकों को प्रदान कर रही है । वर्तमान में बैंक लगभग 3 लाख ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान कर रही हैं । बैंक वर्ष 2027–28 में अपनी स्थापना के 50वें वर्ष में प्रवेश करेगी । बैंक अपने 50वें वर्ष में बैंक के व्यापार को 5000 करोड़ रुपये तक पहुँचाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही हैं । इस लक्ष्य को प्राप्त करने वर्तमान बोर्ड तकनीकि, उन्नत मानव संसाधन एवं शाखा विस्तारीकरण पर कार्य कर रहा है । उन्होंने उपस्थित सभी से बैंक से जुडने, अपने खाते बैंक में खुलवाने की अपील की । बैंक ने एएसबीए, अधिकृत फॉरेक्स ट्रान्जैक्शंस के लिए सेबी एवं रिजर्व बैंक के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत कर रही है ।

बैंक के निदेशक कैलाश मंत्री ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्होंने बैंक के निदेशक मण्डल चुनाव के समय बैंक के अंशधारकों एवं शुभचिंतकों से मुलाकात की थी । अब इस सभा के माध्यम से आप सभी के बीच पुनः उपस्थित हूँ और बैंक की प्रगति के लिए आप सभी के सुझाव एवं शिकायते जानने का अवसर मिला हैं । उन्होंने उपस्थित सभी से कहा कि आइए हम सभी मिलकर बैंक की प्रगति के लिए कार्य करें । बैंक की निदेशक कविता तोष्णीवाल ने बताया कि आपकी उपस्थिति ही बैंक का बढे विश्वास को दर्शाती है और यह निदेशक मण्डल की सबसे बडी ताकत हैं । आपके सुझाव हमें ग्राहक सेवा को और अधिक प्रभावी एवं उन्नत बनाने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं । निदेशक मण्डल द्वारा बैंक के विकास लक्ष्य को प्राप्त करने में आप सभी का सहयोग अपेक्षित हैं ।

राइस मिलर्स असोसिएशन के अध्यक्ष सुधाकर राव ने महेश बैंक की संवाद प्रक्रिया का स्वागत करते हुए बताया की चावल उद्योग वर्तमान में सरकार की योजनाओं की वजह से संकट में है लेकिन आने वाले दिनों में जैसे ही सरकार इस उद्योग की समस्या को सुनकर उसमें सुधार करेगी और जैसे भी अवसर मिलेगा वह अपने असोसिएशन के सदस्यों को बैंक से जोडने का प्रयास करेंगे । फर्टीलाईजर असोसिए के जिला उपाध्यक्ष शशि लक्ष्मीनारायण ने बताया की उन्होंने पहले महेश बैंक से सेवाएँ ली है और महेश बैंक की सेवाएँ उत्तम हैं लेकिन आज इस प्रतिर्स्पधा के युग में बैंक को अपने डिपाजिट एवं लोन की ब्याज दरों में विचार कर व्यापार तर्कसंगत बनाना होगा । चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स असोसिएशन, करीमनगर शाखा के वाइस चेयरमैन सीए बी. अजयकुमार ने बैंक की संवाद पहल का स्वागत करते हुए कहा कि वह छोटे और मजले व्यापारी जिन्हें प्राईवेट एवं पब्लिक सेक्टर बैंक के सख्त नियमों के कारण से लोन नहीं मिलता, उन्हें बैंक द्वारा उदार प्रक्रिया अपनाकर लोन देना चाहिए । सहकारी बैंक, एनबीएफसी क्षेत्र के काम करने वाले फायनांशियल इंटीट्यूशंस से कम ब्याज दरों में लोन देती है, जिससे सहकारी बैंक्स इस छोटे एवं मजले व्यापारियों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर सकती हैं।

संवाद सभा में राजस्थानी सेवा समाज के मंत्री कमलकिशोर सोनी ने बताया कि बैंक के वर्तमान बोर्ड के चेयरमैन चार्टर्ड अकाउंटेन्ट होने के कारण बैंक की कार्यप्रणाली में प्रोफेशनल झलक स्पष्ट दिखाई दे रही है । उन्होंने उपस्थित सभी से बैंक की सेवाओं से जुडने की अपील की । माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ नागरिक सत्यनारायण लाहोटी ने बताया उन्हें बैंक की शाखा घर बैठे सेवा प्रदान कर रही हैं ।

बैंक के जनरल मैनेजर (क्रेडिट) कमलकिशोर राठी ने बताया की बैंक अगले वर्ष अपने 50वें साल में प्रवेश कर रहा है, वह अपने आप बैंक की सुदृढ़ता को दर्शाता है । बैंक सोलार प्रॉजेक्ट्स के लिए भी फायनांस देने को तैयार हैं । जनरल मैनेजर (ऑपरेशंस) श्रीनिवास राव ने बताया कि बैंक वर्तमान बोर्ड के हाथों में सुरक्षित है और नई ऊँचाइयों को छूने के लिए तत्पर हैं । कार्यक्रम का संचालन विष्णुप्रकाश बल्दवा ने किया । आभार प्रदर्शन कमलकिशोर राठी ने दिया । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ ।

सभा में सीतारामागुंडम, लक्ष्मीनारायण, पालुगु राजय्या, कमल लाहोटी, मधुसूदन, मनोहर लाहोटी, श्रीनिवास मून्दड़ा, सत्यनारायण लाहोटी, सीए मनमोहन मून्दड़ा, ब्रिजगोपाल मून्दड़ा, विक्रम मून्दड़ा, चन्द्रशेखर राव, एडवोकेट वेणुगोपाल, मधुसूदन कांकाणी, प्रवीण सारडा, श्रीकान्त भट्टड़, एन. अनिल कुमार, प्रफुल सारडा, जितेन्द्र व्यास, केशव व्यास, बी. प्रवीण, एम. विजय कुमार, एम. महेश कुमार, के. मोहन, कमलकिशोर सोमाणी, अर्जुन मणियार, वेणुगोपाल मणियार, गोवर्धन मणियार, आनन्द मणियार, रामदेव मून्दड़ा, मुरली मनोहर, विजय कुमार, गाली संतोष कुमार, नन्दकिशोर मारु, दिनेश कुमार सोनी, आशीष लाहोटी, रावुला श्रीधर, दोमाली प्रशांत, अरुण कांकाणी, चेतन मून्दड़ा, श्रद्धा कांकाणी, रूपा कांकाणी, उर्मिला मून्दड़ा, टी. चन्द्रशेखर, रामावतार डोडिया, रुपेश मून्दड़ा, रविशंकर गुप्ता, मधुसूदन मून्दड़ा, महेश कुमार लाहोटी, नरेश गुप्ता, ए. वेंकटाचारी, रमेशचन्द कांकाणी, संदीप कुमार जाजू, ब्रिजगोपाल कांकाणी, पायल सोनी, एम. अनिल कुमार, रमाकान्त कांकाणी, पी. वेणुगोपाल, एस. कृष्णाचारी, पूजा काबरा, स्वाती लाहोटी, के. श्रीनिवास, मनोज कुमार, विनोद कुमार लाहोटी, केशव मणियार, राजेश लाहोटी, पवन सोनी, अविनाश कुमार सोनी, अरुणप्रकाश सोनी, विनोद नारायण लाहोटी, एम. संगीता, मंजू मून्दड़ा, पद्मा मून्दड़ा, निर्मल लाहोटी, प्रथम मून्दड़ा, दयाराम मून्दड़ा, गोपाल मून्दड़ा आदि गणमान्य बन्धु उपस्थित थे ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

...तो घर...

से आईटीसी कोहिनूर की ओर भोजन लेने गई थीं। वापस लौटते समय मॉल के सामने सड़क पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार कार कथित तौर पर तेज और लापरवाही से चलाई जा रही थी। भारती के सिर में गंभीर चोट लगी और काफी रक्तस्राव हुआ। उन्हें अपोलो अस्पताल, जुबली हिल्स ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरोपी की पहचान सांसद के बेटे के रूप में

पुलिस जांच में कार चालक की पहचान 21 वर्षीय लिंगमनेनी संजुष के रूप में हुई। वह आंध्र प्रदेश से जनसेना पार्टी के राज्यसभा सांसद लिंगमनेनी रमेश के बेटे हैं। हादसे में शामिल एस्टन मार्टिन कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है। माधापुर पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा लापरवाही या उतावलेपन से किए गए ऐसे कृत्य से संबंधित है, जिससे किसी व्यक्ति की मौत हो।

शराब और ड्रग टेस्ट निकले नकारात्मक

हादसे के बाद आरोपी के शराब के नशे या ड्रग्स के प्रभाव में वाहन चलाने को लेकर सवाल उठे थे। पुलिस ने उसी दिन ड्रंक–ड्राइव और ड्रग टेस्ट कराया तथा रक्त के नमूने भी फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजे। ताजा पुलिस अपडेट के अनुसार प्रारंभिक ड्रंक–ड्राइव और ड्रग टेस्ट दोनों नकारात्मक मिले हैं। इसलिए फिलहाल संजुष के नशे में वाहन चलाने की बात को तथ्य के रूप में नहीं लिखा जा सकता।

गिरफ्तारी को लेकर भी तस्वीर स्पष्ट

पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सार्वजनिक चर्चा हुई है। पुलिस के अनुसार संजुष की पहचान होने के बाद उससे पूछताछ की गई, नोटिस जारी किया गया और स्टेशन बेल की कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध जमानती होने और मौजूदा परिस्थितियों में तत्काल गिरफ्तारी आवश्यक नहीं होने के कारण आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जा रही है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि जांच में आगे ऐसा कोई साक्ष्य सामने आता है जिससे गिरफ्तारी आवश्यक हो, तो कार्रवाई की जा सकती है।

भारती के भाई राजनिकांत मुखी ने परिवार की स्थिति पर गहरा दुख जताया है। उनका कहना है कि उनकी बहन ही परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। वह हर महीने घर पैसे भेजती थीं और घरेलू खर्च से लेकर भाइयों की शिक्षा तक में मदद करती थीं। अब परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सरकार से परिवार की सहायता की मांग की है। भारती की मौसी ने भी सरकार से मुआवजे की मांग उठाई है।

सड़क पर हादसा, घर में अंधेरा

एक तरफ हैदराबाद की व्यस्त सड़क पर कुछ सेकंड में एक जिंदगी खत्म हो गई, तो दूसरी तरफ करीब 1,200 किलोमीटर दूर ओडिशा में एक परिवार का सहारा टूट गया। भारती अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए घर से दूर हैदराबाद आई थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और व्यक्तिगत सपनों से समझौता कर परिवार की जिम्मेदारी उठाई। चार–पांच साल तक मेहनत करने के बाद भी जिंदगी ने उन्हें वह मौका नहीं दिया, जिसके लिए वह संघर्ष कर रही थीं।

अब इस मामले में पुलिस की जांच महत्वपूर्ण है। वाहन की गति, हादसे की परिस्थितियां, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, वाहन से संबंधित तकनीकी साक्ष्य और पोस्टमार्टम रिपोर्ट जांच का हिस्सा हैं। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है और आगे की जांच जारी है। नशे की प्रारंभिक जांच नकारात्मक आने के बाद अब मामला मुख्य रूप से कथित तेज और लापरवाही से वाहन चलाने तथा हादसे की वास्तविक परिस्थितियों पर केंद्रित है। भारती अब वापस नहीं आएंगी। लेकिन उनके परिवार के लिए न्याय के साथ–साथ आर्थिक सहारे का सवाल भी उतना ही बड़ा है। जिस बेटी की करीब 18 हजार रुपये की मासिक कमाई से घर चलता था, उसके जाने के बाद परिवार के सामने सिर्फ बेटी को खोने का दर्द नहीं, बल्कि आने वाले दिनों की पूरी जिंदगी का सवाल खड़ा हो गया है।

झारखंडी ...

भूख हड़ताल पर लंबे समय तक बैठे रहे छात्र नेता राहुल क्रांति ने इस फैसले के बाद सोरेन सरकार की कानूनी मंशा और तैयारियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

राहुल कुमार ने कहा कि सरकार के फैसले पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जिस तरह रोक लगाई गई है, उसमें सरकार की सरासर गलती है। सरकार ने अपना पक्ष मजबूती से नहीं रखा। सरकार को चाहिए था कि अपराध जांच विभाग की रिपोर्ट के साथ अपना पक्ष मजबूती से रखे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने कहा कि यह छात्रों के साथ सरासर धोखा है। सरकार को वरिष्ठ अधिवक्ता उतारने चाहिए थे, लेकिन कनिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से पैरवी कराई गई। सरकार ने अपनी कोई जांच रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत नहीं की, जिसके कारण उच्च न्यायालय ने परीक्षा रद्द करने के फैसले पर रोक लगा दी।

राहुल क्रांति ने कहा कि छात्र अब चुप नहीं बैठेंगे। मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा और आगे की रणनीति तैयार कर सरकार को पूरी ताकत से घेरा जाएगा।

तो क्या बेकार गई भूख हड़ताल?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि परीक्षा रद्द कराने और केंद्रीय जांच ब्यूरो अथवा अपराध जांच विभाग से जांच कराने की मांग को लेकर छात्रों द्वारा किया गया आंदोलन क्या बेकार चला गया?

सरकार ने भले ही प्रदर्शनकारियों के पक्ष में फैसला लेते हुए उनकी सभी मांगें मान ली थीं, लेकिन हाईकोर्ट ने माना कि बिना किसी ठोस व्यक्तिगत जांच और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए चयनित अधिकारियों को हटाना उचित नहीं है। इससे 2,600 से अधिक परिवारों की आजीविका बच गई है।

राहुल आगे ...

लेकिन पुलिस उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही थी। हालांकि, बाद में पुलिस ने शिकायत स्वीकार कर ली थी और बताया था कि मामले की जांच अपराध शाखा द्वारा की जा रही है। साथ ही, उच्चतम न्यायालय की एक उच्च स्तरीय समिति भी गठित की जा चुकी थी और उसकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था।

इससे पहले राहुल गांधी प्रधानमंत्री आवास के बाहर भी धरने पर बैठे थे, जहां से उन्हें हिरासत में लेकर छत्रसाल स्टेडियम ले जाया गया था। इस दौरान रणदीप सुरजेवाला और कुमारी शैलजा समेत कांग्रेस के कई नेता भी मौके पर पहुंचे थे।प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

कॉकरोचों की...

इसके कुछ देर बाद आशुतोष रांका खुद स्कूल पहुंचे। उनके पहुंचते ही ग्रामीणों ने उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और धक्का–मुक्की शुरू हो गई।

आरोप है कि इसके बाद ग्रामीणों ने आशुतोष रांका समेत सीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की और उन्हें गांव से खदेड़ दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई और उनके शीशे तोड़ दिए गए। ग्रामीणों द्वारा कार्यकर्ताओं पर रेत उछालने और पत्थरबाजी करने के आरोप भी लगाए गए हैं। सोशल मीडिया मंच ङ्गएक्सफ पर पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि राजस्थान में आशुतोष रांका पर भाजपा के लोगों ने हमला किया है। उन्होंने राजस्थान पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि पुलिस ने ऐसा होने दिया।

आशुतोष रांका बोले–ग्रामीण नहीं, भाजपा के बुलाए लोग थे

कार्यकर्ताओं के साथ कथित बदसलूकी के बाद आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि गांव में मौजूद लोग वास्तव में ग्रामीण नहीं, बल्कि भाजपा द्वारा बुलाए गए लोग थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका नेतृत्व कमल प्रधान कर रहे थे, जो गरीबों की जमीन पर कब्जा करने का काम करते हैं।

रांका ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी टीम के जो सदस्य पहले से गांव में मौजूद थे, उनके साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने मारपीट की।उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा को यह मंजूर है कि बच्चे भैंसों के तबेले जैसी जगह में पढ़ते रहें, लेकिन अगर इन स्कूलों को ठीक कराने की कोशिश की जाए तो यह उसे मंजूर नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि इससे ज्यादा शर्मनाक बात और क्या हो सकती है।

जर्जर स्कूल भवन को लेकर पहले से नाराजगी

गांव में स्कूल की स्थिति को लेकर ग्रामीणों में पहले से नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की इमारत लंबे समय से जर्जर हालत में है और बच्चों को वैकल्पिक व्यवस्था में पढ़ना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर सीजेपी के कार्यकर्ता स्कूल की स्थिति देखने पहुंचे थे, लेकिन ग्रामीणों ने उनके पहुंचने का विरोध कर दिया।फिलहाल गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण सीजेपी के खिलाफ धरने पर डटे हुए हैं। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है।

ग्रामीणों ने बताई स्कूल की पूरी स्थिति

ग्रामीण विष्णु कुमार शर्मा ने बताया कि उनके गांव में पहले प्राथमिक विद्यालय पांचवीं कक्षा तक संचालित होता था। स्कूल के लिए जमीन उनके दादाजी ने दी थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1999 में स्कूल भवन का निर्माण हुआ था, लेकिन इसके बाद से भवन की मरम्मत नहीं हुई।

विष्णु कुमार शर्मा के मुताबिक, अब स्कूल भवन इतना जर्जर हो चुका है कि वहां बच्चों के बैठकर पढ़ने की स्थिति नहीं है। फिलहाल गांव के एक बड़े भवन में ग्रामीणों ने दो कमरे उपलब्ध कराए हैं, जहां दो शिक्षक करीब 20 से 30 बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र बगरू विधानसभा क्षेत्र में आता है। उनके अनुसार, विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने स्कूल के लिए 9 लाख रुपये का बजट स्वीकृत होने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक काम जमीन पर शुरू नहीं हुआ है।

विष्णु कुमार शर्मा ने कहा कि स्कूल के लिए दी गई जमीन भी ग्रामीणों की ही है। ग्रामीणों ने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार को जमीन दी थी। उन्होंने कहा कि स्कूल की स्थिति को लेकर सरकार से जल्द कार्रवाई की उम्मीद है।

ग्रामीण राजेश कुमार शर्मा ने सीजेपी कार्यकर्ताओं के गांव में पहुंचने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण ऐसे कार्यकर्ताओं का विरोध करेंगे। उनका आरोप है कि सीजेपी स्कूल के मुद्दे को लेकर राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही है।

राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि भारत में विरोध करना जायज है, लेकिन प्रदर्शन का तरीका सही होना चाहिए। उन्होंने सीजेपी पर राजनीतिक लाभ लेने और धन जुटाने का आरोप लगाया। हालांकि, उनके विदेशी धन से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।स्कूल की स्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि बच्चे जर्जर भवन में पढ़ने को मजबूर हैं। उनके मुताबिक, सरकार की ओर से 12 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, लेकिन अभी तक स्कूल का निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार स्कूल का निर्माण नहीं कराती है तो ग्रामीण खुद मिलकर स्कूल बनाएंगे, क्योंकि जमीन उनके बुजुर्गों ने दी थी और स्कूल भी उनके प्रयासों से बना था।राजेश कुमार शर्मा ने सरकार से जल्द से जल्द स्कूल का निर्माण कराने की अपील की। साथ ही उन्होंने बताया कि गांव में पहले मतदान केंद्र था, लेकिन इस बार उसे दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने इस मामले पर भी सरकार से ध्यान देने की मांग की।

पहाड़ से ...

परिवार के लोग भी लगातार उससे बातचीत करते रहे, लेकिन किसी की कोशिश कामयाब नहीं हो सकी।

काफी देर तक समझाने के बाद कुणाल के पिता मुरलीधर भी पहाड़ पर उसके पास पहुंचे। वह भी बेटे को समझाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान उन्होंने कुणाल को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन दोनों पहाड़ से नीचे गिर गए।

यह देखकर मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गए। पुलिस और अग्निशमन दल के कर्मचारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गई और लोगों को गहरा सदमा लगा।

अपने बेटे और पति के साथ हुई घटना को देखकर मां संगीता भी बेहद सदमे में आ गईं। इसके बाद उन्होंने भी पहाड़ से छलांग लगा दी और उनकी भी जान चली गई। कुछ ही मिनटों में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत से मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी तिसगांव के लोग, पुलिस और अग्निशमन दल के कर्मचारी भी इस घटनाक्रम से सदमे में आ गए। जिस स्थान पर घंटों तक परिवार और गांव के लोग कुणाल को समझाने की कोशिश कर रहे थे, वहां कुछ ही समय बाद मातम का माहौल हो गया।

कुणाल चांदवडे की उम्र 18 साल थी। उसके पिता का नाम मुरलीधर और मां का नाम संगीता बताया गया है। दोनों सतारा इलाके में रहते थे। घटना के बाद पुलिस ने परिवार के अन्य सदस्यों से संपर्क करना शुरू कर दिया है।पुलिस और अग्निशमन दल की मौजूदगी में घंटों तक कुणाल को समझाने की कोशिश की गई थी। गांव के सरपंच और आसपास के लोगों ने भी परिवार के साथ मिलकर उसे समझाने का प्रयास किया। इसके बावजूद मामला बेहद दुखद स्थिति में पहुंच गया।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दुखद बात यह रही कि माता–पिता अपने बेटे को बचाने और उसे समझाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। करीब तीन घंटे तक मां उससे बातचीत करती रही। पिता भी पहाड़ के नीचे मौजूद रहे और बाद में बेटे के पास पहुंचकर उसे समझाने लगे।

लेकिन बेटे को बचाने की कोशिश के दौरान पिता और बेटे के साथ हुई घटना के बाद मां भी सदमे में अपनी जान गंवा बैठीं। इस तरह कुछ ही मिनटों में परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

घटना के बाद तिसगांव के लोग भी सकते में हैं। पुलिस ने परिवार के अन्य सदस्यों से संपर्क किया है। पूरे घटनाक्रम ने मौके पर मौजूद लोगों को भी गहरे सदमे में डाल दिया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीसीएमबीके वैज्ञानिकों द्वारा घातक कवक के मस्तिष्क में संक्रमण फैलाने के रहस्यमय तंत्र की खोज

क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स की विशाल कोशिकाएँ

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। फंगल संक्रमण तेजी से दुनिया के सबसे गंभीर, लेकिन नज़रअंदाज किए गए जन स्वास्थ्य खतरों में से एक के रुप में अभीतेजी से उभर रहे हैं। आक्रामक (इनवेसिव) फंगल रोगजनक हर वर्ष सैकड़ों हजारों लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार होते हैं, खासकर उन लोगों में जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है। इसके बावजूद, इनके उपचार के चिंताजनक रूप से विकल्प बेहद सीमित हैं। एंटीफंगल दवाओं की संख्या बहुत कम है, वे विषाक्त हो सकती हैं और इनके प्रति प्रतिरोधकता लगातार बढ़ रही है। इस बढ़ते संकट को देखते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई फंगल रोगजनकों को अनुसंधान और नई दवाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं के तौर पर चिन्हित किया है। इनमें क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स सबसे घातक रोगजनकों में से एक है।

कई अन्य फंगल संक्रमणों के विपरीत, जो त्वचा तक ही सीमित रहते हैं, क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स का संक्रमण फेफड़ों से शुरू होता है, लेकिन यह रक्तप्रवाह के माध्यम से मस्तिष्क तक फैल सकता है और क्रिप्टोकोकल मेनिन्जाइटिस का कारण बन सकता है। यह एक अत्यंत गंभीर और खतरनाक बीमारीहै,जो दुनिया भर में एड्स से संबंधित लगभग हर पांच में से एक मौत के लिए जिम्मेदार है। चिकित्सा समुदाय के बाहर इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन क्रिप्टोकोकल मेनिन्जाइटिस हर वर्ष दुनिया भर में 1,50,000 से अधिक लोगों को प्रभावित करता है, जिनमें भारत के हजारों लोग शामिल हैं–और इससे होने वाली मौत की दर बहुत ज़्यादा है।

जितना बड़ा, उतना बेहतर: फंगस की घातक जीवित रहने की घातक रणनीति

क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स की सबसे बड़ी असाधारण क्षमताओं में से एक है फेफड़ों में पहुंचने के बाद खुद को बदल लेने की इसकी अद्भुत क्षमता। जहां अधिकांश फंगल कोशिकाएँ केवल कुछ माइक्रोमीटर व्यास की होती हैं, वहीं कुछ कोशिकाएँ असाधारण रूप से बड़ी होकर विशाल टाइटन कोशिकाओं में परिवर्तित हो जाती हैंये सामान्य फंगल कोशिकाओं की तुलना में कई गुना बड़ी होती हैं।प्रतिरक्षा कोशिकाओं के लिए इन अत्यधिक बड़ी कोशिकाओं को निगलना और नष्ट करना कहीं अधिक कठिन होता है। इस प्रकार फंगस शरीर के भीतर जीवित रहने, प्रतिरक्षा प्रणाली के हमले से बचने और लंबे समय तक संक्रमण बनाए रखने में सक्षम हो जाता है।

वैज्ञानिक लगभग दो दशकों से टाइटन कोशिकाओं के बारे में जानते हैं। हालांकि, क्रिप्टोकोकल संक्रमण में उनकी केंद्रिय भूमिका के बावजूद एक बुनियादी सवाल अभी तक सुलझ नहीं पाया है:

डॉ. श्रीराम वराहन की टीम; डॉ. वराहन बाईं ओर से तीसरे स्थान पर।

फंगस टाइटन कोशिका में बदलने का निर्णय कैसे लेता है?

हैदराबाद स्थित सीएसआईआर–कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी),केडॉ. श्रीराम वराहन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने अब इस सवाल का एक अप्रत्याशित उत्तर खोज निकाला है। उनके अध्ययन में एक अज्ञात जैविक सर्किट की पहचान की गई जिसके बारे में पहले जानकारी नहीं थी। जो फंगस के ऊर्जा चयापचय(को उसकी सबसे महत्वपूर्ण कोशिकीय संकेत प्रणालियों में से एक से जोड़कर क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स को टाइटन कोशिकाएँ बनाने में सक्षम बनाता है। यह खोज फंगस की रोगजनकता को नियंत्रित करने वाली नियामक एक पूरी व्यवस्था की नई परत को उजागर करती है और भविष्य में फंगसरोधी उपचार विकसित करने की आशाजनक संभावनाएँ खोलती है।

वैज्ञानिक लंबे समय से यह मानते आए हैं कि चयापचय मुख्य रूप से कोशिकाओं को ऊर्जा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया है। लेकिन नए अध्ययन से पता चलता है कि चयापचय एक शक्तिशाली निर्णय लेने वाली प्रणाली के रूप में भी काम करती है, जो यह निर्धारित करती है कि फंगस अधिक खतरनाक रूप धारण कर पाएगा या नहीं।

डॉ. श्रीराम वराहन ने कहा, हमने फंगस के ऊर्जा केंद्र और उसके सबसे महत्वपूर्ण जीवित रहने वाले मार्गों के बीच एक अप्रत्याशितजैविक संबंध का पता लगाया है। हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि चयापचय केवल ऊर्जा उपलब्ध कराने का काम नहीं करता, बल्कि यह उन कोशिकीय संकेतों को सक्रिय रूप से नियंत्रित करता है, जो फंगस को टाइटन कोशिकाओं में रूपांतरित होने में सक्षम बनाते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि ग्लूकोज़ का कुशल चयापचय फंगल कोशिका के भीतर कैल्शियम के उचित संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। कैल्शियम को आमतौर पर मजबूत हड्डियों के निर्माण के लिए जाना जाता है, लेकिन जीवित कोशिकाओं के भीतर इसका काम अलग होता है। यह एक छोटे आणविक संदेशवाहक की तरह कार्य करता है, जो कोशिका के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक सूचनाएँ पहुँचाता है।जब कैल्शियम का स्तर संतुलित रहता है, तो यह कैल्सीन्यूरिन नामक एक प्रमुख संकेत मार्ग को सक्रिय करता है। यह मार्ग फंगस को मानव शरीर के भीतर कठिन और तनावपूर्ण परिस्थितियों में जीवित रहने और अंततः उसे विशाल टाइटन कोशिकाओं में विकसित होने में में सक्षम बनाता है।

फंगस के सबसे खतरनाक हथियारों में से एक को निष्क्रिय करना

इस खोज से पहली बार यह पता चला है कि टाइटन कोशिकाओं के निर्माण को नियंत्रित करने में फंगस के उर्जा चयापचय, कैल्शियम सिग्नलिंग और कैल्सीन्यूरिन सक्रियण के बीच सीधा संबंध है। ये प्रक्रियाएँ स्वतंत्र रूप से काम करने के बजाय एक समन्वित जैविक नेटवर्क के रूप में मिलकर कार्य करती हैं। यह नेटवर्क रोगजनक फंगस को अपने मेजबान के शरीर के भीतर अनुकूलन करने और जीवित रहने में सक्षम बनाता है।

इस छिपी हुई कमजोरी की पहचान से क्रिप्टोकोकल रोग से लड़ने की एक बिल्कुल नई रणनीति सामने आती है। केवल फंगस को नष्ट करने की कोशिश करने के बजाय, भविष्य में ऐसी उपचार पद्धतियाँ विकसित की जा सकती हैं जो फंगस को टाइटन कोशिकाएँ बनाने से ही रोक दें। इस तरह गंभीर संक्रमण फैलने से पहले ही उसके सबसे शक्तिशाली रोग उत्पादक हथियारों में से एक को निष्क्रिय किया जा सकता है।

एंटीफंगल उपचार की एक नई दिशा

ऐसे समय में जब दुनिया भर में आक्रामक फंगल संक्रमण बढ़ रहे हैं और नयी एंटीफंगल दवाओं की अत्यधिक आवश्यकता है, ये निष्कर्ष दुनिया के सबसे घातक फंगल रोगजनकों में से एक की अब तक अज्ञात कमजोरी को उजागर करते हैं, जिसे पहले पहचाना नहीं गया था। टाइटन कोशिकाओं के निर्माण को नियंत्रित करने वाले चयापचय संबंधी सर्किट को लक्षित करके वैज्ञानिक ऐसी उपचार पद्धतियाँ विकसित कर सकते हैं जो फंगस को कमजोर करें, प्रतिरक्षा तंत्र द्वारा उसे खत्म करने की क्षमता को बेहतर बनाएँ और अंततः क्रिप्टोकोकल मेनिन्जाइटिस(मस्तिष्कावरण शोथ) के बोझ को कम करें।

केवल फंगल वृद्धि पर हमला करने के बजाय, एंटीफंगल दवाओं की अगली पीढ़ी संभवत: रोगजनक को उस जीवित रहने की रणनीति को सक्रिय करने से रोकने पर केंद्रित होगी, जो उसे इतना खतरनाक बनाती है।

निस्वार्थ सेवा से मानवता को मिलती है नई दिशा : कमल अग्रवाल

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क वाटर टैंक पर शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राधे-राधे ग्रुप डरा नियमित रूप से चलाए जा रहे सेवा कार्यों की कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस दौरान सदस्यों ने सेवा भावना के साथ लोगों को भोजन उपलब्ध कराया और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल अग्रवाल ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम राधे-राधे ग्रुप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भाव और समर्पण के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय है। जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

कमल अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सदैव महान सेवा माना गया है। जब किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराया जाता है तो उसके चेहरे पर आने वाली संतुष्टि और खुशी ही सेवा करने वालों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से जरूरतमंदों की सेवा कर समाज के सामने सेवा और संवेदना का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि समाज में संपन्न और सक्षम लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ना चाहिए। यदि हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करे तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला या उपेक्षित महसूस नहीं करेगा। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास इसी भावना को आगे बढ़ाना है कि सेवा केवल किसी विशेष अवसर पर नहीं, बल्कि नियमित रूप से और निरंतर होनी चाहिए।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मुंदड़ा, कमल अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग किया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सेवा गतिविधियों को आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रखा जाएगा।

बिलाल टेक्सटाइल्स ने सिकंदराबाद में अपनी तीसरी शाखा का भव्य उद्घाटन किया। नए शोरूम में निर्माता-प्रत्यक्ष थोक मूल्य, ट्रेंडिंग कलेक्शन तथा खुदरा विक्रेताओं और बुटीक मालिकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्य अतिथि जिया उर रहमान, सीईओ रेड रोज़ मार्ट ने शोरूम का उद्घाटन किया। इस भव्य लॉन्च में अभिनेत्री रितु चौधरी तथा फैशन प्रेमी भी उपस्थित रहे। बिलाल टेक्सटाइल्स के श्री मोहम्मद, मुख्य अतिथि जिया उर रहमान (सीईओ रेड रोज़ मार्ट), अभिनेत्री रितु चौधरी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति शुक्रवार को सिकंदराबाद में बिलाल टेक्सटाइल्स की तीसरी शाखा के भव्य उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

श्री कल्याण सिंह जी (पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल) की 5वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रानी अवन्ती बाई लोध भवन, गंगाबावली धूलपेट स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर लाल सिंह (कॉरपोरेटर गोशा महल), सुरेश सिंह (बंदू एडमिन), जेडी जगवेंदर सिंह, प्रदीप सिंह (बीजेपी), कैलाश सिंह, जे. मुकेश सिंह, उदय सिंह, अक्षय साहू एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

वाल्मीकि महर्षि प्रतिमा स्थापना की पहली वर्षगांठ मनाई

मदनूर, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): मंडल केंद्र में वाल्मीकि महर्षि की प्रतिमा स्थापना की पहली वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने पूजा में भाग लेकर वाल्मीकि महर्षि का आशीर्वाद लिया।कार्यक्रम में गांव की सरपंच उषा संतोष मेस्त्री, विकास समिति अध्यक्ष कल्लूरवार अशोक, एनजेप्पावर सयालू चिन्ना, जाति बुजुर्ग समिति के सदस्य नामदेव मेस्त्री, रामचंदर, पुट्टी लक्ष्मण, पुट्टी चंदर, गंगाराम, पडाला रामुलु, भक्तपुर सैलू, कर्रेवार सयन्ना, दसरवार बालू, सयाब्राव और मचकुरी वीरेशम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।इस अवसर पर विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई।

सुरक्षित भारत विषय पर विचार संगोष्ठी कल

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । सुरक्षित भारत विषय पर देश के भविष्य के निर्माण में नागरिकों की भूमिका और योगदान को लेकर विशेष विचार-संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जनहित याचिकाएं दायर करने वाले अश्विनी उपाध्याय हैदराबाद पहुंचकर राष्ट्रप्रेमियों से संवाद करेंगे।

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की सुरक्षा, राष्ट्रहित और भविष्य निर्माण जैसे विषयों पर नागरिकों के विचार साझा करना तथा देश के विकास में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका पर चर्चा करना है। कार्यक्रम में राष्ट्रप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विचार-संवाद में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

निस्वार्थ मानव सेवा ही राधे-राधे ग्रुप का संकल्प : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया। नियमित रूप से आयोजित होने वाले इस सेवा कार्य में सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मानवता की सेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने राधे-राधे ग्रुप को इस काबिल बनाया है कि वह निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा निरंतर कर सके। उन्होंने कहा कि ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना और परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत करना है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें दो वक्त के भोजन के लिए भी दूसरों की सहायता की आवश्यकता होती है। ऐसे लोगों तक भोजन पहुंचाना और उनके चेहरे पर संतोष की मुस्कान लाना ही राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्य की सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि जब सेवा बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के की जाती है, तो वह सीधे मानवता से जुड़ जाती है और यही सच्ची ईश्वर सेवा भी है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान की सेवा चलाई जा रही है। सदस्यों के सामूहिक सहयोग और सेवाभाव के कारण यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी सेवा कार्यों से जुड़ने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने का संकल्प व्यक्त किया। सभी ने कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए राधे-राधे ग्रुप मानव सेवा के इस अभियान को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाता रहेगा।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, सुरेश डालमिया, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वादे पूरे नहीं हुए तो 24 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल

पेद्दापल्ली, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): चुनाव के दौरान ऑटो चालकों से किए गए वादों को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर शुक्रवार को पेद्दापल्ली में ऑटो चालकों और मालिकों ने विशाल रैली निकाली। तेलंगाना ऑटो चालक एवं मालिक जेएसी के नेतृत्व में करीब 300 ऑटो चालकों ने बस स्टैंड से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

बाद में प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा को ज्ञापन सौंपकर ऑटो चालकों की समस्याओं के समाधान की मांग की। जेएसी नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव के समय किए गए वादे अब तक लागू नहीं किए गए हैं। विशेष रूप से ऑटो चालकों को प्रतिवर्ष 12,000 की वित्तीय सहायता देने के वादे को तत्काल लागू करने की मांग की गई।

आदिवासी छात्रों को परीक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने का निर्णय

किनवट, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): नई दिल्ली की अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की ओर से गुड़गांव में आयोजित बैठक में आदिवासी छात्रों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए महत्व-पूर्ण निर्णय लिया गया। शिक्षा रत्न इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से कक्षा 1 से 12वीं तक के आदिवासी छात्रों को परीक्षा में शामिल होने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में बताया गया कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा प्रभावित होने वाले आदिवासी छात्रों को फाउंडेशन के माध्यम से आर्थिक सहायता दी जाएगी। अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को विशेष रूप से अधिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद इस योजना के क्रियान्वयन में छात्रों की सहायता करेगी।

बैठक में महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल क्षेत्रों, विशेषकर किनवट क्षेत्र के विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रामभैया चव्हाण, प्रदेश सचिव शेषराव कोवे तथा नांदेड़ जिला आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष प्रो. विजय खुपसे ने अपने विचार रखे और किनवट क्षेत्र का विशेष उल्लेख किया।

इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. फगन सिंह कुलस्ते, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शंकरलालजी, राज्यसभा सांसद माया उनाते, राष्ट्राध्यक्ष सोमजीभाई दामोर तथा देश के विभिन्न आदिवासी बहुल राज्यों से आए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बी. तिरुमाला ने पेद्दापल्ली डीपीआरओ का कार्यभार संभाला

पेद्दापल्ली, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): विशेष आयुक्त के आदेश के तहत बी. तिरुमाला को पेद्दापल्ली जिले का जिला जनसंपर्क अधिकारी (डीपीआरओ) नियुक्त किया गया है। उन्होंने शुक्रवार को जिला कलेक्टर श्रीहरशा से शिष्टाचार भेंट करने के बाद डीपीआरओ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

पदभार संभालने के बाद तिरुमाला ने जिला जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की और विभागीय गतिविधियों, मीडिया समन्वय तथा सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के प्रचार-प्रसार की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सरकार की योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की जानकारी प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया।

पेद्दापल्ली जिला निषेध एवं आबकारी विभाग के कांस्टेबल एवं हेड कांस्टेबल एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का चुनाव शुक्रवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। विभागीय कर्मचारियों ने मतदान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गोलकोंडा में अवैध खुदाई के दौरान सुरंग मिलने की सूचना

400 साल पुराने कुतुब शाही मकबरों के पास मिला भूमिगत मार्ग, एएसआई करेगा जांच

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर का ऐतिहासिक गोलकोंडा क्षेत्र में करीब 400 वर्ष पुराने कुतुब शाही मकबरों और उससे सटे खेल मैदान के पास कथित तौर पर अनधिकृत खुदाई के दौरान एक भूमिगत सुरंगनुमा संरचना मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। मामला गोलकोंडा के 18 सीढ़ियों वाले क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां ऐतिहासिक महत्व के कई स्मारक मौजूद हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, स्थल पर कथित रूप से खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान जमीन के नीचे एक रास्ते या सुरंग जैसी संरचना दिखाई दी। संरचना के सामने आने के बाद मामला ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा से जुड़ा होने के कारण अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया।

गोलकोंडा और चारमीनार को जोड़ने वाली सुरंग की पुरानी चर्चा

सुरंगनुमा संरचना सामने आने के बाद गोलकोंडा किले और चारमीनार के बीच कथित गुप्त भूमिगत मार्ग की वर्षों पुरानी स्थानीय चर्चा एक बार फिर सामने आ गई है। स्थानीय मान्यता के अनुसार कुतुब शाही शाही परिवार के सदस्य कभी इस प्रकार के भूमिगत रास्ते से गोलकोंडा किले और शहर के बीच आवागमन करते थे। हालांकि, अब तक ऐसा कोई निर्णायक प्रमाण सामने नहीं आया है, जिससे यह साबित हो सके कि गोलकोंडा और चारमीनार के बीच वास्तव में ऐसी सुरंग मौजूद थी। इसलिए फिलहाल मिली संरचना को उस कथित ऐतिहासिक सुरंग का हिस्सा मानना जल्दबाजी होगी।

एएसआई करेगा स्थल का निरीक्षण

मामले की जानकारी मिलने के बाद कारवां विधायक कौसर मोहिउद्दीन ने एआईएमआईएम अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के निर्देश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों से संपर्क कर कथित खुदाई और सुरंग मिलने की जानकारी दी। एए-सआई ने मामले का संज्ञान लिया है और स्थल का निरीक्षण किए जाने की संभावना है। जांच के दौरान यह पता लगाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कि खुदाई कितने क्षेत्र में की गई, भूमिगत संरचना कितनी लंबी है और किस दिशा में जाती है। साथ ही उसकी अनुमानित उम्र तथा निर्माण की प्रकृति का भी आकलन किया जाएगा। विशेषज्ञ यह भी जांचेंगे कि संरचना कुतुब शाही काल से संबंधित किसी प्राचीन निर्माण का हिस्सा है या हाल की किसी संरचना का, जो खुदाई के दौरान सामने आई है।

सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात

मामले की जानकारी हैदराबाद कलेक्टर, हैदराबाद पुलिस आयुक्त और दक्षिण-पश्चिम जोन के डीसीपी तक भी पहुंचाए जाने की बात सामने आई है। स्थल पर आगे किसी भी तरह की अनधिकृत गतिविधि को रोकने के लिए पुलिस कर्मियों की तैनाती किए जाने की जानकारी है।

ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा पर सवाल

गोलकोंडा क्षेत्र में सामने आई इस घटना ने ऐतिहासिक स्मारकों के आसपास होने वाली खुदाई और निर्माण गतिविधियों की निगरानी पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि संरचना वास्तव में प्राचीन निकली, तो उसका ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व काफी अधिक हो सकता है। फिलहाल इसकी वास्तविक पहचान, उम्र और ऐतिहासिक संबंध एएसआई की जांच के बाद ही स्पष्ट होंगे।

जब तक आधिकारिक जांच पूरी नहीं होती, सुरंग को गोलकोंडा किले और चारमीनार के बीच की कथित ऐतिहासिक सुरंग बताना उचित नहीं होगा। एएसआई की जांच रिपोर्ट से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि जमीन के नीचे मिली यह संरचना वास्तव में कितनी पुरानी और कितनी महत्वपूर्ण है।

सड़क हादसा मामले में गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की सफाई

कानून के मुताबिक लिया गया फैसला :रितिराज

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माधापुर थाना क्षेत्र में दर्ज अपराध क्रमांक 1238/2026 को लेकर आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर उठ रहे सवालों के बीच कुकटपल्ली के पुलिस उपायुक्त रितिराज ने पुलिस का पक्ष स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने का निर्णय किसी दबाव, प्रभाव या व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नहीं लिया गया, बल्कि उस समय उपलब्ध तथ्यों और कानून में निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर लिया गया है।पुलिस के मुताबिक, 16 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद दुर्घटना में शामिल वाहन चला रहे व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया। उसके शराब और मादक पदार्थों के सेवन की प्रारंभिक जांच कराई गई, लेकिन दोनों परीक्षणों में नतीजे नकारात्मक मिले। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के रक्त के नमूने भी सुरक्षित किए और उन्हें वैज्ञानिक परीक्षण के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेज दिया। दुर्घटना में इस्तेमाल वाहन को जब्त कर तकनीकी जांच के लिए मोटर वाहन निरीक्षक के पास भेजा गया है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, निरीक्षण रिपोर्ट अभी मिलनी बाकी है और दुर्घटना की जांच में उसका महत्वपूर्ण स्थान रहेगा।

गिरफ्तारी के सवाल पर पुलिस उपायुक्त ने कानूनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि धारा 106(1) के तहत दर्ज अपराध में अधिकतम पांच वर्ष की सजा का प्रावधान है। ऐसे अपराधों में केवल मामला दर्ज हो जाना अपने आप गिरफ्तारी का आधार नहीं बनता। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के तहत पुलिस अधिकारी को यह देखना होता है कि गिरफ्तारी वास्तव में आवश्यक है या नहीं।

इसी संदर्भ में उच्चतम न्यायालय द्वारा अर्णेश कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों को भी ध्यान में रखा गया। उपलब्ध सामग्री की समीक्षा के बाद जांच अधिकारी को उस समय आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त आवश्यकता दिखाई नहीं दी। इसके चलते उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के तहत नोटिस जारी किया गया और जांच में उपस्थित रहकर पुलिस का सहयोग करने के लिए कहा गया।पुलिस उपायुक्त ने कहा कि गिरफ्तारी नहीं करना जांच को रोक देना नहीं है। मामले की विवेचना अभी जारी है और पुलिस दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वाहन की तकनीकी जांच, विधि विज्ञान प्रयो-गशाला से मिलने वाली रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।उन्होंने उन आरोपों को भी खारिज किया जिनमें कहा जा रहा था कि पुलिस ने किसी प्रभावशाली व्यक्ति के दबाव में आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, उस समय उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तारी आवश्यक नहीं समझी गई और कानून के अनुसार आरोपी को नोटिस देकर जांच में शामिल होने का निर्देश दिया गया।

डीसीपी रितिराज ने स्पष्ट किया कि यदि आगे की विवेचना में ऐसे तथ्य या साक्ष्य सामने आते हैं, जिनके आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी आवश्यक हो जाती है, तो पुलिस कानून के अनुसार गिरफ्तारी करने से पीछे नहीं हटेगी।

पुलिस का कहना है कि इस मामले में अंतिम कार्रवाई उपलब्ध होने वाले सभी साक्ष्यों के समग्र मूल्यांकन के बाद ही तय होगी।

तेलंगाना में जल्द लगेंगे स्मार्ट मीटर, नए कनेक्शनों से होगी शुरुआत

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में बिजली कनेक्शनों को स्मार्ट मीटर में बदलने की तैयारी की जा रही है। योजना के अनुसार, अब नए बिजली कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। इसके बाद पुराने बिजली कनेक्शनों पर भी चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

स्मार्ट मीटर हर महीने की 30 या 31 तारीख की मध्यरात्रि में बिजली की खपत की रीडिंग दर्ज करेंगे। इसी रीडिंग के आधार पर उपभोक्ताओं के बिजली बिल तैयार किए जाएंगे। इससे मीटर रीडिंग की प्रक्रिया को अधिक स्वचालित और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

सरकारी कार्यालयों के लिए प्रीपेड मीटर अनिवार्य करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत सरकारी विभागों को पहले से उपलब्ध राशि के आधार पर बिजली का उपयोग करना होगा।

हालांकि, स्मार्ट मीटर की लागत सामान्य मीटरों की तुलना में अधिक होने की बात सामने आ रही है। बिजली वितरण कंपनियों के स्तर पर इस अतिरिक्त लागत को लेकर भी विचार-विमर्श चल रहा है। चर्चा यह है कि स्मार्ट मीटर लगाने पर होने वाले अतिरिक्त खर्च की भरपाई उपभोक्ताओं से की जाए या नहीं।यदि स्मार्ट मीटर की पूरी अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला होता है, तो आने वाले समय में इसका सीधा असर बिजली उपभोक्ताओं के खर्च पर पड़ सकता है।

नए कनेक्शनों से शुरू होकर पुराने कनेक्शनों तक पहुंचने वाली यह योजना तेलंगाना की बिजली मीटरिंग और बिलिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकती है।

मैं हार जाऊंगा, हमारी सरकार चली जाएगी श्रम मंत्री विवेक के बयान से सियासी चर्चा

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पॉलिटेक्निक छात्रों के साथ बातचीत के दौरान राज्य के श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी की एक टिप्पणी शुक्रवार को राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई। छात्रों के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने अपनी संभावित हार और सरकार के सत्ता से बाहर होने की स्थिति का जिक्र किया। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, पॉलिटेक्निक छात्रों ने स्किल यूनिवर्सिटी से निवेशकों के पीछे हटने की आशंका को लेकर मंत्री से गारंटी देने की मांग की थी। इस पर विवेक वेंकटस्वामी ने कथित तौर पर कहा कि यदि कल वह खुद चुनाव हार जाएं या उनकी सरकार ही सत्ता में न रहे तो उनके द्वारा दी गई गारंटी का छात्रों को क्या लाभ होगा ? मंत्री की इस टिप्पणी से मौके पर मौजूद छात्र भी कुछ क्षण के लिए हैरान रह गए।

मंत्री की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर अलग-अलग राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे कांग्रेस सरकार की राजनीतिक स्थिति को लेकर मंत्री की चिंता के रूप में देख रहे हैं, जबकि इसे छात्रों के सवाल के संदर्भ में दिया गया एक सहज जवाब भी माना जा रहा है। इसलिए केवल इस टिप्पणी के आधार पर सरकार की चुनावी स्थिति को लेकर कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

विवेक वेंकटस्वामी एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से आते हैं और पेड्डापल्ली से सांसद भी रह चुके हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने चेन्नूर से जीत दर्ज की थी। वर्तमान में वे तेलंगाना सरकार में श्रम मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

दरअसल, पॉलिटेक्निक छात्रों से जुड़े शिक्षा और कौशल विकास के मुद्दों को लेकर सरकार और छात्रों के बीच चर्चा चल रही है। इसी दौरान छात्रों ने निवेशकों की भागीदारी और भविष्य की व्यवस्था को लेकर अपनी आशंकाएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री की प्रतिक्रिया इसी बातचीत के संदर्भ में सामने आई है।

इस बीच कांग्रेस नेताओं के हालिया बयानों को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा बनी हुई है। विपक्ष लगातार सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेर रहा है, वहीं सत्तारूढ़ दल के नेताओं की सार्वजनिक टिप्पणियां भी कई बार राजनीतिक बहस का कारण बन रही हैं। ऐसे में विवेक वेंकटस्वामी का सरकार के सत्ता में बने रहने को लेकर किया गया उल्लेख कांग्रेस के लिए असहज सवाल जरूर खड़ा करता है।

हालांकि, मंत्री के बयान का पूरा संदर्भ सामने रखना महत्वपूर्ण है। इसे सीधे तौर पर कांग्रेस सरकार की हार की स्वीकारोक्ति या भविष्यवाणी मानना उचित नहीं होगा। फिलहाल यह टिप्पणी राजनीतिक बहस और सोशल मीडिया चर्चा का विषय बनी हुई है।

कोंडा सुष्मिता के बयान पर कांग्रेस में बढ़ा घमासान

विधायकों ने दी असंतुष्ट नेताओं को चेतावनी

हैदराबाद, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता की ओर से की गई टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस विधायकों ने नाराजगी जताते हुए पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। शुक्रवार को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) में उपलब्ध विधायकों और एमएलसी की बैठक हुई, जिसमें सुष्मिता के बयानों पर चर्चा की गई।

बैठक में विधायकों ने कोंडा सुष्मिता की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि पार्टी के भीतर किसी भी प्रकार की असहमति को सार्वजनिक मंच पर उठाने के बजाय पार्टी के उचित मंच पर अपनी बात रखी जानी चाहिए। विधायकों ने कोंडा सुरेखा समेत असंतुष्ट नेताओं को भी चेतावनी दी कि पार्टी नेतृत्व और सरकार के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी से संगठन को नुकसान पहुंच सकता है।

बैठक के दौरान पर्काला विधायक रेवूरी प्रकाश रेड्डी समेत कांग्रेस नेताओं को लेकर की गई टिप्पणियों का भी मुद्दा उठाया गया। विधायकों ने सुष्मिता के बयानों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के भीतर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक विवाद का रूप देना उचित नहीं है।

मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस विधायकों को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब पत्रकारों ने कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को लेकर सवाल किया। मीडिया प्रतिनिधियों ने पूछा कि यदि पार्टी के भीतर नेताओं के बयानों पर इतनी कड़ी प्रतिक्रिया दी जा रही है, तो राजगोपाल रेड्डी के बयानों या भूमिका पर विधायक खुलकर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। इस सवाल पर विधायक स्पष्ट जवाब देने से बचते दिखाई दिए।

राजनीतिक रूप से यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस में एक ओर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के समर्थन में विधायक एकजुटता दिखा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं और उनके समर्थकों की गतिविधियों को लेकर लगातार चर्चा बनी हुई है। ऐसे में सीएलपी की बैठक को मुख्यमंत्री समर्थक विधायकों की एकजुटता के प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है।

बैठक में नायिनी राजेंद्र रेड्डी, केआर नागराजू, बीरला अयिलैया, मधुसूदन रेड्डी, रेवूरी प्रकाश रेड्डी, दोंती माधवर रेड्डी, मंदुला सैमुअल, वेडमा बोज्जु, वेमुला वीरेशम, बुय्यानी मनोहर रेड्डी, कूचुकुल्ला राजेश रेड्डी, बत्तुला लक्ष्मा रेड्डी, बालू नायक, वीर्लापल्ली शंकर, कुंभम अनिल कुमार रेड्डी और चिक्कुडु वंशीकृष्ण शामिल रहे। वहीं एमएलसी बलमूरी वेंकट और बसवराजु सारैया भी बैठक में मौजूद रहे।

इस बैठक से यह संकेत जरूर मिला है कि तेलंगाना कांग्रेस में नेतृत्व के समर्थन और असंतुष्ट नेताओं के बीच खींचतान अभी खत्म नहीं हुई है। कोंडा परिवार से जुड़े बयानों ने इस अंदरूनी विवाद को फिर से सतह पर ला दिया है। अब निगाहें कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर हैं कि वह इस विवाद को किस तरह नियंत्रित करता है और पार्टी के भीतर बढ़ रही असहमति को किस तरह सुलझाता है।

बकाया छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति जारी करने की मांग

बांसवाड़ा, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): बकाया फीस प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) और छात्रवृत्ति की राशि तत्काल जारी करने की मांग को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा (इगधच्) के नेतृत्व में शुक्रवार को बांसवाड़ा शहर में कॉलेज छात्रों के साथ विशाल रैली निकाली गई। रैली शहर की प्रमुख सड़कों से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंची, जहां प्रदर्शन किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष नीलम चिन्ना राजुलु, पूर्व विधायक लक्ष्मीनारायण और इगधच् जिला अध्यक्ष नंदी वेणु ने कहा कि राज्य में करीब 15 हजार करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति राशि लंबित है। इसके चलते लाखों छात्र आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के कई छात्र फीस जमा नहीं कर पाने के कारण पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं।

बेंगलूरु में प्रदर्शित हुई बोटीचेली की दुर्लभ मैडोना एंड चाइल्ड

बेंगलूरु, 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): इतालवी पुनर्जागरण काल के महान चित्रकार सैंड्रो बोटीचेली की वर्ष 1490 की ऐतिहासिक तेल चित्रकला मैडोना एंड चाइल्ड को बेंगलूरु के वसंत नगर स्थित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए) में आम दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया गया है।

बेंगलूरु स्थित इटली के महावाणिज्य दूतावास, एनजीएमए, संस्कृति मंत्रालय और रिजवान रजाक म्यूजियम ऑफ पेपर मनी के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी का नाम वन मदर, मेनी मदर टंग्स रखा गया है। प्रदर्शनी में बोटीचेली की दुर्लभ कृति के साथ दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व तक की प्राचीन भारतीय और यूरोपीय मूर्तियों को भी प्रदर्शित किया गया है।

पेंटिंग में माता मरियम को बाल ईसा मसीह को गोद में लिए हुए दर्शाया गया है। उनके कंधों पर नीला लबादा ब्रह्मांड का प्रतीक माना गया है, जबकि लाल वस्त्र ईसा मसीह के भावी बलिदान की ओर संकेत करता है। बोटीचेली ङ्गद बर्थ ऑफ वीनसफ और ङ्गप्रिमावेराफ जैसी प्रसिद्ध कृतियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मैडोना एंड चाइल्ड विषय पर अपने जीवनकाल में करीब 80 चित्र बनाए थे। सिस्टीन चैपल में भी उनके तीन प्रमुख फ्रेस्को मौजूद हैं।प्रदर्शनी की वैचारिक पृष्ठभूमि क्यूरेटर प्रो. नमन पी. आहूजा के सात वर्ष पूर्व प्रकाशित शोधपत्र पर आधारित है। इसमें विभिन्न महाद्वीपों और संस्कृतियों में मातृत्व की अवधारणा तथा महिला की छवि के बदलते रूप का अध्ययन किया गया है।उद्घाटन अवसर पर एनजीएमए की निदेशक प्रिया प्रेस्टीज, के. मलिक, रिजवान रजाक, इटली के कौंसुल जनरल मिलानो, पर्यटन मंत्री के.जे. जॉर्ज, क्यूरेटर प्रो. नमन और कला विश्लेषक डॉ. सुभाष अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनी 20 सितंबर तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्रीमती सरोज मेहता
के जन्मदिन के अवसर पर
मधुकान्त (पति) चेतन-हेमाली (पुत्र-पुत्रवधू)
मितांश-मिशिका (पौत्र-पौत्रवधू) एवं मेहता परिवार
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

पावरग्रिड POWERGRID

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न उद्यम, पात्र अभ्यर्थियों से शिक्षुता प्रशिक्षण (Apprenticeship Training) या प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम अवसरों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

(1) अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 के अंतर्गत प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 तथा उसके संशोधनों के प्रावधानों के अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों में एक वर्षीय शिक्षुता प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन/अधिसूचना पावरग्रिड की वेबसाइट www.powergrid.in के करियर अनुभाग में उपलब्ध है।
NAPS/NATS अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीकरण/आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को पावरग्रिड की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। केवल पावरग्रिड की वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे एवं नियुक्ति प्रक्रिया हेतु विचार किए जाएंगे।

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि	25 अगस्त 2026
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि	10 सितम्बर 2026

अप्रेंटिसशिप हेतु आवेदन करने के लिए QR कोड स्कैन करें।

(2) प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) के अंतर्गत इंटर्नशिप अवसर

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) के तहत 9 महीने की इंटर्नशिप के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत जानकारी और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया https://pminternship.mca.gov.in/login/ पर उपलब्ध है। PMIS इंटर्नशिप अवसरों के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को केवल PMIS पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि	22 अगस्त 2026
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि	5 सितम्बर 2026

PMIS इंटर्नशिप हेतु आवेदन करने के लिए QR कोड स्कैन करें।

महत्वपूर्ण सूचनाः अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण अथवा PMIS इंटर्नशिप की अवधि पूर्ण होने के उपरांत अभ्यर्थियों का पावरग्रिड में किसी प्रकार की नियुक्ति/रोजगार पर कोई दावा या अधिकार नहीं होगा।

PG/APPRENTICESHIP/2026/INCL

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालयः बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
सदर्न रीजनः RHQ, #6-6-8/32 एवं 395E, कवाडिगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, 500080
वेबसाइटः www.powergrid.in
एक महारत्न पीएसयू

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.